www.hindmatamirror.com ● वर्ष: 12 ● अंक: 201 ● ठाणे, बुधवार 15 अप्रैल, 2026 ● पेज: 8 ● मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

जान्हवी का ब्यूटीफुल लुक

पेज 8

संजू सैमसन बने मार्च के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

8 पेज

सुप्रभात

कठिनाइयों का अर्थ आगे बढ़ना है, न कि हतोत्साहित होना। मानवीय भावना का अर्थ द्वन्द्व से और अधिक मजबूत होना होता है। - **विलियम एल्लेरी चैन्निंग**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (15 अप्रैल) 6:56 बजे, सूर्योदय (16 अप्रैल) 6:21 बजे, **तापमान: 32 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

लगी वाट... ड्रग, धर्मांतरण, यौन शोषण घाट-घाट

● ये जवानी, है दीवानी!... चली कहां ऐसे उड़ के?
● टेक्नो कॉन्सर्ट में ड्रग ओवरडोज से 2 छात्रों की मौत, एक आईसीयू में भर्ती
● नशे में धुत थे 80% छात्र, कल्याण के दो दोस्तों ने पार्टी में परोसा था मौत का सामान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

न समझने की ये बातें हैं न समझाने की... जिंदगी उचटी हुई नींद है दीवाने की... फिराक गोरखपुरी का यह शेर मौजूदा दौर में मायानगरी मुंबई की नब्ज टटोलता नजर आ रहा है। उच्च शिक्षा के लिए माता-पिता को कर्जदार बनाकर, लाखों रुपए की फीस चुका कर, बड़ी-बड़ी डिग्रियां लेकर युवा जब रोजगार की तलाश में निकलते हैं, तो उन्हें या तो ढंग की नौकरी नहीं मिलती या फिर मामूली वेतन की नौकरी के लिए राजी होना पड़ता है। उम्मीदों पर पानी फिरने से युवा हताश हो जाते हैं। नशे की गिरफ्त में आकर या तो ड्रग तस्करों के चंगुल में फंस जाते हैं या फिर हताशा में अपराध की राह पर चलने लगते हैं। कुछ लोग हताशा में जीवन में चमत्कार की उम्मीद करने लगते हैं और भोंदू बाबाओं की गिरफ्त में आ जाते हैं। कहीं-कहीं ऐसा होता है कि युवा अराजक तत्वों के बहकावे में धर्म परिवर्तन की विवादित डगर पर चल पड़ते हैं। सरकार है, पुलिस है, कानून है, लेकिन रोजगार नदारद होने से तमाम तरह की अराजकता फैल जाती है। फिलहाल महाराष्ट्र, खासकर मायानगरी मुंबई ड्रग सेवन, धर्मांतरण, यौन शोषण जैसी बुराइयों से सडांध मार रही है।

दम मारो दम...

ड्रग ओवरडोज से 2 छात्रों की मौत

मुंबई के गोरेगांव स्थित नेस्को वेयरहाउस में 11 अप्रैल को आयोजित एक हार्ड टेक्नो कॉन्सर्ट में शामिल हुए दो छात्रों की कथित ड्रग ओवरडोज से मौत हो गई है। वनराई पुलिस स्टेशन ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए एक इवेंट ऑर्गनाइजर और कुछ पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मरने वालों में 24 वर्षीय एक युवक और 24 वर्षीय एक युवती शामिल है, जो अपने दोस्तों के समूह के साथ इटली के कलाकारों का कॉन्सर्ट देखने गए थे। सूत्रों के मुताबिक, इस ग्रुप के तीन सदस्यों ने ड्रग्स का सेवन था, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। पीड़ितों को पहले हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा अस्पताल और फिर निजी अस्पतालों में ले जाया गया। इलाज के दौरान सोमवार तक दो लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि तीसरी महिला की हालत गंभीर बनी हुई है और वह आईसीयू में जीवन और मौत की जंग लड़ रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और एनडीपीएस एक्ट की सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस सनसनीखेज घटना ने मुंबई में हाई-प्रोफाइल पार्टियों के भीतर फैल रहे ड्रग्स के जाल को एक बार फिर बेनकाब कर दिया है।

कॉन्सर्ट में बड़ी संख्या में शामिल हुए युवा

यह दुखद घटना उस वक्त हुई, जब नेस्को वेयरहाउस में इटली के टेक्नो कलाकार अपनी प्रस्तुति दे रहे थे। हार्ड टेक्नो म्यूजिक के इस आयोजन में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए थे. पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि सुरक्षा इंतजामों और निगरानी के बावजूद आयोजन वाली जगह के अंदर नशीले पदार्थ कैसे पहुंचे और इसमें इवेंट मैनेजमेंट की क्या भूमिका रही है.

नशे में थे धुत 80% छात्र

पुलिस की प्रारंभिक जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वे दहला देने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस पार्टी में शामिल लगभग 80 प्रतिशत छात्र नशे की हालत में थे। वनराई पुलिस स्टेशन की टीम इस मामले की गहराई से जांच कर रही है, जिसमें राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के प्रबंधन पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सुरक्षा और प्रशासन पर उठते सवाल

नेस्को सेंटर जैसी हाई-प्रोफाइल जगह पर, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का दावा किया जाता है, वहां इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स कैसे पहुंचे? यह एक बड़ा अनुत्तरित सवाल है। देर रात तक कार्यक्रम चलने के बावजूद आबकारी विभाग और पुलिस ने परमिट कैसे जारी किए, इसकी भी जांच की जा रही है। अधिकारियों की नींद उड़ने की मुख्य वजह यह है कि यहां खुलेआम नशा परोसा जा रहा था और सुरक्षा बल पूरी तरह मूकदर्शक बने रहे।

बड़े रैकेट की आशंका और बढ़ता जांच का दायरा

पुलिस को संदेह है कि यह केवल एक छिटपुट घटना नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत बड़ा ड्रग्स रैकेट सक्रिय है जो कॉलेज के छात्रों को निशाना बना रहा है। आनंद पटेल के बयानों के आधार पर पुलिस अब ड्रग्स की सप्लाई चेन के बड़े खिलाड़ियों तक पहुँचने की कोशिश कर रही है। आने वाले दिनों में इस मामले में कई और गिरफ्तारियां होने की संभावना है, जिससे मुंबई की नाइटलाइफ और हाई-प्रोफाइल इवेंट्स में ड्रग्स की पैठ के कई और राज खुल सकते हैं।

कल्याण के दोस्तों ने फैलाया मौत का जाल

पुलिस ने इस मामले में दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, आनंद पटेल और प्रतीक पांडे। ये दोनों कल्याण के रहने वाले हैं और आपस में गहरे मित्र हैं। जांच में पता चला है कि प्रतीक पांडे ने नेस्को सेंटर में पार्टी आयोजित करने के लिए आनंद पटेल से ड्रग्स खरीदी थी। चौंकाने वाली बात यह है कि आनंद पटेल और उसके पिता का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और उनके खिलाफ पहले से ही 19 मामले दर्ज हैं। आनंद ने पुलिस को बताया कि वह आशीष नामक किसी व्यक्ति से ड्रग्स खरीद रहा था, जिसकी तलाश अब तेज कर दी गई है।

बलात्कार मामले में खरात को पांच दिन की पुलिस हिरासत

नाशिक की एक अदालत ने मंगलवार को स्वयंभू बाबा अशोक खरात को बलात्कार के एक मामले में 18 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। खरात पर आरोप है कि उसने पारिवारिक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए उसके पास आई एक महिला का यौन शोषण किया। अदालत द्वारा आवश्यक अनुमति दिए जाने के बाद, विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने खरात को हिरासत में लिया और मंगलवार को उसे अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ए जी बेहेरे की अदालत में पेश किया। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई के दौरान, लोक अभियोजक शैलेंद्र बागडे ने दलील दी कि इस मामले में आगे की जांच आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ने पारिवारिक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए उसके पास आई पीड़िता को बेहोशी की दवा दी और उसका यौन शोषण किया। हालांकि, खरात के वकील सतीश भाटे ने दलील दी कि आरोपी लंबे समय से पुलिस हिरासत में है, और चूंकि एसआईटी ने मामले की जांच की है, इसलिए आगे पुलिस हिरासत की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अदालत ने खरात को 18 अप्रैल तक पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। खरात पर लगभग एक दर्जन मामले दर्ज हैं, जिनमें से आठ यौन उत्पीड़न से संबंधित हैं।

यौन शोषण...

अमरावती में सेक्स स्कैंडल

■ 350 अश्लील वीडियो वायरल होने से हड़कंप

महाराष्ट्र के अमरावती जिले से आए अश्लील वीडियो कांड ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। सोशल मीडिया पर करीब 350 वीडियो और कई गंदे फोटो वायरल होने के बाद लोगों में गुस्से का माहौल है। मामले में आरोपी अपने परिवार समेत फरार है। जिससे उनकी गिरफ्तारी की मांग और तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, पिछले तीन दिनों से विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुप्स में लगातार वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें नाबालिग लड़कियों के साथ अश्लील हरकतें किए जाने के आरोप सामने आए हैं। इस पूरे मामले में राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल बोंडे ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि करीब 180 लड़कियां इस मामले में पीड़ित हैं, जिनमें अधिकतर नाबालिग हैं। सांसद अनिल बोंडे और हिंदू संगठनों ने अमरावती ग्रामीण पुलिस से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सरकार पर बरसा विपक्ष

इस सनसनीखेज मामले ने अब राजनीतिक रंग भी ले लिया है। कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) ने राज्य सरकार पर सीधा हमला बोला है। विपक्ष का कहना है कि महाराष्ट्र में कानून का खौफ खत्म हो गया है और महिलाओं की सुरक्षा गंभीर संकट में है।

एक आरोपी गिरफ्तार

अमरावती ग्रामीण पुलिस ने सोशल मीडिया पर नाबालिग लड़कियों के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने के आरोप में 19 वर्षीय अयान अहमद तनवीर अहमद को गिरफ्तार किया है। परतवाड़ा पुलिस को मिली गुप्त सूचना के अनुसार, आरोपी ने लड़कियों से दोस्ती कर उनकी मर्जी के बिना अश्लील कंटेंट बनाया और उन्हें बदनाम करने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसका मोबाइल जब्त कर लिया है।

पुणे में 'दिव्य शक्ति' के नाम पर घिनौना खेल

■ ढोंगी बाबा ने महिला से लूटे 50 लाख और किया यौन शोषण

एक ओर नाशिक में अशोक खरात मामला चर्चा अभी जारी ही है, वहीं अब पुणे जिले से एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पारिवारिक विवादों को सुलझाने और नौकरी दिलाने का लालच देकर एक 42 साल की महिला के साथ बार-बार यौन उत्पीड़न और धोखाधड़ी करने का एक मामला उजागर हुआ है। इस मामले में स्वारगेट पुलिस ने एक ढोंगी बाबा औदुंबर मनोहर गडदे को गिरफ्तार किया है, जिसने महिला से करीब 50 लाख 55 हजार रुपए की ठगी भी की। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी खुद को दिव्य शक्ति वाला देव ऋषि होने का नाटक करता था। इसी बात का फायदा उठाकर झांसे में उसने कई महिला के साथ गंभीर अपराध को अंजाम दिया। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता ने शिकायत दर्ज करवाया।

धर्मांतरण...

एसआईटी खंगाल रही आरोपियों के बैंक खाते

नाशिक में प्रतिष्ठित आईटी कंपनी टीसीएस में महिला कर्मचारियों के साथ हुए कथित यौन उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन के दबाव के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) अब आरोपियों के वित्तीय लेन-देन की गहराई से पड़ताल कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए सात आरोपियों के बैंक खातों को खंगाला जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस पूरी साजिश या अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उन्हें कहीं से कोई विदेशी या अवैध फंडिंग मिली थी।

मैनेजर की कस्टडी बढ़ी, 7 आरोपी गिरफ्तार

नाशिक अदालत ने सोमवार को इस मामले की मुख्य आरोपी और ऑपरेशंस मैनेजर (महिला) की पुलिस हिरासत 15 अप्रैल तक बढ़ा दी है। अब तक पुलिस ने इस मामले में कुल 7 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दानिश शेख, तौसीफ अत्तार, रजा मेमन, शाहरुख कुरैशी, शफी शेख, आसिफ आफताब अंसारी और एक महिला मैनेजर शामिल हैं। बताया जा रहा है कि एक अन्य महिला कर्मचारी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

शॉर्ट स्टोरी

पावर प्लांट में बॉयलर फटा, 12 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ रायपुर

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 12 मजदूरों की मौत हो गई है। एएसपी पंकज पटेल ने इसकी पुष्टि की है। 4 मजदूरों की मौत मौके पर ही हो गई थी। वहीं 18 घायलों को रायगढ़ के जिंदल फोर्टिस अस्पताल लाया गया, जहां 8 मजदूरों ने दम तोड़ दिया है। बाकी 10 घायलों की हालत गंभीर है। मजदूर 80% झुलस गए हैं। हादसे में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से झुलसे हैं। रायगढ़ के ही मेट्रो हॉस्पिटल में 3 घायलों का इलाज चल रहा है। 2 मजदूरों को अपेक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। 6 घायलों को बिलासपुर रेफर किया गया है।

नीतीश कृपा से बिहार में बीजेपी का पहला सीएम

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

एक समय था जब भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सत्ता से बेदखल करने के लिए अपने सिर पर मुरेठा (पगड़ी) बांधा था और कसम खाई थी कि जब तक नीतीश को कुर्सी से नहीं हटा देंगे, तब तक यह पगड़ी नहीं खोलेंगे। लेकिन नियति देखिए कि नीतीश कुमार की कृपा से ही सम्राट चौधरी बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने जा रहे हैं। नई सरकार का 15 अप्रैल को शपथ ग्रहण समारोह होना है। वहीं नीतीश कुमार की कृपा से बिहार में पहली बार बीजेपी का मुख्यमंत्री बनने जा रहा है। इससे साफ हुआ है कि बीजेपी जब भी अपने मिशन पर निकलती है तो उसकी एक्सपायरी डेट नहीं होती है।

मैदानों को निगलने की तैयारी में सरकार: राऊत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शिवसेना सांसद संजय राऊत ने महायुति सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में खेल के मैदानों की 30 से 40 प्रतिशत जगह बिल्डरों को देने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन जमीनों पर होटल, क्लब और मॉल्स बनाकर हजारों करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे, जिनका उपयोग विधायकों और सांसदों को खरीदने के लिए किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा, क्या आप ठाणे के अपने करीबियों को शिवतीर्थ और आजाद मैदान की 30% जमीन होटल बनाने के लिए देंगे? उन्होंने चेतावनी दी कि भूमिका स्पष्ट नहीं की, तो मैदान बचाने के लिए जनता को सड़कों पर उतरेगी।

अदाणी के फैसले पर अमेरिका का विरोध

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के मौजूदा छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कार्गो विमानों को नवी मुंबई के नए एयरपोर्ट पर शिफ्ट करने के अदाणी ग्रुप के फैसले का अमेरिका ने कड़ा विरोध किया है। अमेरिकी परिवहन विभाग ने भारत सरकार को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि ये कदम द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते का उल्लंघन है। जिससे दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में तनाव आ सकता है। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने कार्गो ऑपरेटरों जैसे फेडेक्स (अमेरिकी कंपनी) को निर्देश दिया है कि अगस्त 2026 से मई 2027 के बीच वे अपना परिचालन नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शिफ्ट कर लें।

धरपकड़...

महिला ट्रेन यात्री से 4.26 करोड़ की कोकीन जब्त

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोमवार को नागपुर स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक महिला से 853 ग्राम कोकीन से भरी 50 कैप्सूल जब्त की, जिनका अवैध बाजार में अनुमानित मूल्य 4.26 करोड़ रुपए है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, मुंबई जोन की डीआरआई-नागपुर क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने 12 अप्रैल को हजरत निजामुद्दीन-केएसआर बेंगलुरु राजधानी एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक महिला यात्री को उसके सामान में मादक पदार्थ ले जाने के संदेह में रोका। अधिकारियों ने उसके सामान से सफेद पाउडर युक्त 50 कैप्सूल बरामद किए, जो कोकीन निकले। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मेफेड्रोन फैक्ट्री का भंडाफोड़

डीआरआई नागपुर ने दिसंबर 2025 में वर्धा जिले के करंजा घाडगे गांव में एक मेफेड्रोन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था और इस साल जनवरी और फरवरी में अलग-अलग अभियान में भारी मात्रा में गांजा जब्त किया था।

एक मई से रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा जानना अनिवार्य

ऑटो पर सवार सरनाईक की सियासत

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री प्रताप सरनाईक ने मंगलवार को कहा कि राज्य में एक मई से सभी लाइसेंस प्राप्त रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी जानना अनिवार्य होगा और मोटर परिवहन विभाग के कार्यालयों के माध्यम से एक राज्यव्यापी अभियान चलाया जाएगा। अपने कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में सरनाईक ने चेतावनी दी कि जिन चालकों को मराठी का बुनियादी ज्ञान नहीं है, उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। इस संदर्भ में कुछ ऑटो रिक्शा चालकों ने कहा कि हिंदी भाषियों ने सरनाईक को वोट देकर विधायक बनाया, लेकिन नगर निगम चुनाव में बीजेपी के साथ गए। बीजेपी के मेहता से सरनाईक की तनातनी है, इसलिए हिंदी भाषी ऑटो चालक पिस रहे हैं।

चैत्यभूमि पर उमड़ा जनसैलाब

सीएम फडणवीस और राज्यपाल ने बाबासाहेब को दी श्रद्धांजलि

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पी, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर पूरा महाराष्ट्र 'जय भीम' के नारों से गुंजायमान दिखा। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुंबई के दादर स्थित डॉ. आंबेडकर के स्मारक चैत्यभूमि पर राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने पहुंचकर बाबासाहेब को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मंगलवार सुबह महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दादर पहुंचे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और राज्य मंत्री छगन भुजबल ने भी चैत्यभूमि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पूर्व राज्यपाल ने राजभवन में भी बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। चैत्यभूमि पर इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे और हजारों की संख्या में अनुयायी अपने मसीहा को नमन करने पहुंचे थे। चैत्यभूमि, दादर में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। इस प्रदर्शनी में महान दूरदर्शी और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के जीवन को दर्शानेवाली दुर्लभ तस्वीरें प्रदर्शित की गई थीं, जिसका आयोजन बृहन्मुंबई नगर निगम के जनसंपर्क विभाग द्वारा किया गया था। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार भी उपस्थित रहे।

देवेंद्र फडणवीस का सोशल मीडिया पोस्ट

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बाबासाहेब को याद करते हुए उन्हें एक महान अर्थशास्त्री और दूरदर्शी नेता बताया। उन्होंने लिखा भारतीय संविधान के निर्माता, विद्वान और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक डॉ. बी.आर. आंबेडकर को विनम्र श्रद्धांजलि। वे न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के लोकतांत्रिक आदर्शों के पीछे की एक मार्गदर्शक शक्ति थे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य सरकार बाबासाहेब के दिखाए समतावादी रास्ते पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिंदमाता एंकर: दुनिया के 88 लाख लोगों पर गरीबी का खतरा, एशिया-प्रशांत क्षेत्र को 299 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान

युद्ध से भारत में 25 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने का खतरा: रिपोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ संयुक्त राष्ट्र

पश्चिम एशिया में संघर्ष से भारत में 25 लाख लोगों के गरीबी में धकेल दिए जाने का खतरा है और देश के मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने 'पश्चिम एशिया में सैन्य वृद्धि: एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर प्रभाव' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि यह संघर्ष 'एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास के दबाव को बढ़ा रहा है।'

गरीबी की चपेट में आ सकते हैं 88 लाख लोग

रिपोर्ट में कहा गया कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से घरेलू क्रय शक्ति घट रही है, खाद्य असुरक्षा बढ़ रही है, सरकारी बजट पर दबाव पड़ रहा है और आजीविका कमजोर हो रही है। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 88 लाख लोग गरीबी के जोखिम में आ सकते हैं और इस सैन्य तनाव से एशिया-प्रशांत क्षेत्र को 299 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है।

दक्षिण एशिया पर ज्यादा असर

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में गरीबी से प्रभावित लोगों की संख्या लगभग चार लाख से बढ़कर 25 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। संघर्ष के कारण दुनिया भर में गरीबी में धकेले जाने वाले लोगों की संख्या लगभग 19 लाख से बढ़कर करीब 88 लाख तक हो सकती है जिसमें दक्षिण एशिया के लोग सबसे अधिक होंगे।

चीन पर मामूली असर

चीन में गरीबी की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या में मामूली वृद्धि का अनुमान है जो लगभग 1,15,000 से बढ़कर 6,20,000 से अधिक हो जाएगी। हालांकि यह बहुत बड़ी जनसंख्या के मुकाबले मामूली प्रभाव को दर्शाता है।

गरीबी दर 24.2% हो सकती है

इसमें कहा गया कि सबसे गंभीर परिदृश्य में भारत की गरीबी दर 23.9 प्रतिशत से बढ़कर 24.2 प्रतिशत हो सकती है जिससे अतिरिक्त 24,64,698 लोग गरीबी में चले जाएंगे।

95% काम पूरा होने के बावजूद नहीं शुरू हो पाई पनवेल कर्जत रेल गलियारा सेवा, यात्रियों में नाराजगी

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

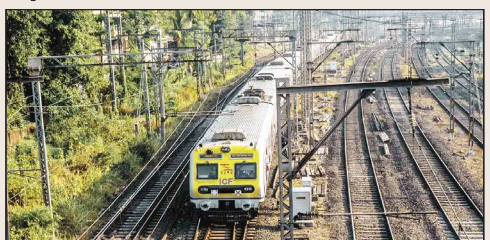

नवी मुंबई और रायगढ़ को जोड़ने वाले पनवेल-कर्जत सबअर्बन रेलवे कॉरिडोर के उद्घाटन में एक बार फिर देरी होने की संभावना जताई जा रही है। रेलवे अधिकारियों ने दावा किया था कि मार्च के आखिर तक काम पूरा हो जाएगा। हालांकि, अप्रैल महीना शुरू होने के बाद भी ऐसे संकेत हैं कि यात्रियों का इंतजार अक्टूबर 2026 तक बढ़ जाएगा, क्योंकि जमीन पर कुछ जरूरी काम अभी भी चल रहे हैं। 2,783 करोड़ रुपए की लागत वाली करीब 29.6 किमी लंबी यह डबल रेलवे लाइन अभी आखिरी स्टेज में है, ऐसा आधिकारिक तौर पर कहा गया है। पनवेल कर्जत रेल गलियारा प्रोजेक्ट में सबसे बड़ी इंजीनियरिंग चुनौती वावरले में सुरंगों और दो अन्य सुरंगों का काम पूरा हो चुका है। चौक और कर्जत के बीच रेलवे इंजन का टेस्ट भी सफल रहा है। हालांकि दावा किया गया है कि प्रोजेक्ट का लगभग 95 परसेंट काम पूरा हो गया है, लेकिन असल में जांच से पता चलता है कि कुछ जरूरी काम अभी भी अधूरे हैं। कर्जत रेलवे स्टेशन एरिया में यार्ड का काम, सिग्नलिंग और कुछ सिविल काम अपनी पूरी कैपेसिटी से पूरे नहीं हुए हैं। दूसरे ट्रैक पर काम चल रहा है। इस बीच, कर्जत में बने नए स्टेशन की वजह से पुराने और नए स्टेशनों को जोड़ने वाली सुविधाओं को लेकर अभी भी कन्फ्यूजन है। कर्जत स्टेशन एरिया में तंग सड़कों और रिक्शा स्टैंड की वजह से होने वाले ट्रैफिक जाम को देखते हुए, रेलवे से मनपा के साथ कोऑर्डिनेट करके हाईवे पर ट्रैफिक की प्लानिंग करने की मांग की जा रही है।

पनवेल कर्जत रेल गलियारा से डेढ़ घंटे का सफर अब केवल 40 मिनट में पूरा

■ अभी सड़क से कर्जत से पनवेल जाने में डेढ़ घंटे लगते हैं, जो रेल से घटकर सिर्फ 40 मिनट रह जाएगा। इस रूट पर पांच स्टेशन होंगे पनवेल, चिखले, पोयंजे, चौक और कर्जत। मॉडर्न बैलास्टलेस ट्रैक टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से यह सफर तेज और सुरक्षित हो जाएगा, इस लोकल सर्विस से कर्जत, उल्वे, नेरल और पनवेल इलाकों के लोगों को बहुत फायदा होगा, उम्मीद है कि इससे रेजिडेंशियल और कमर्शियल डेवलपमेंट को भी बढ़ावा मिलेगा।

■ कर्जत–पनवेल रेलवे के शुरू होने को लेकर काफी उत्साह है, अगर यह मुंबई लाइन शुरू हो जाती है, तो कर्जत और नवी के बीच कम्युनिकेशन और आसान हो जाएगा। नौकरी और बिजनेस के लिए मुंबई–नवी मुंबई पहुंचना आसान हो जाएगा। इससे कर्जत इलाके में व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

■ कर्जत–पनवेल रेलवे समय पर शुरू न होने से लोगों में काफी नाराजगी है इस इलाके के सांसद श्रीरंग बारणे को इस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। रेलवे के कई पेंडिंग मामलों की वजह से यात्रियों को बहुत परेशानी हो रही है। हम यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि कर्जत–पनवेल लोकल और मेल–एक्सप्रेस सर्विस से यात्रियों को असल में कैसे फायदा हो सकता है। इन मामलों पर जल्द ही एक कमेटी के जरिए रेलवे प्रशासन से बात की जाएगी।

दो बार डेडलाइन हो चुकी है मिस

पहले, बताया गया था कि यह प्रोजेक्ट दिसंबर 2025 में शुरू होगा, बाद में यह तारीख मार्च 2026 तक टाल दी गई थी, लेकिन अप्रैल आने के बाद भी ऐसा लगता है कि अभी भी बहुत काम बाकी है। इसलिए, ऐसे संकेत हैं कि यह रूट साल के आखिर तक पैसेंजर्स के लिए खोला जा सकता है।

स्टेम जल वाहिनी मरम्मत के चलते भिवंडी में जलापूर्ति प्रभावित

24 घंटे पानी सप्लाई बंद

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

एसटीईएम जल वितरण द्वारा जल वाहिनी की मरम्मत के चलते भिवंडी में पानी सप्लाई अस्थायी रूप से बंद रहेगी। यह कार्य मानसून से पहले आवश्यक सुधार के तहत किया जा रहा है। जलापूर्ति कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर के अनुसार, शनिवार 18 अप्रैल सुबह 9 बजे से रविवार 19 अप्रैल सुबह 9 बजे तक पूरे 24 घंटे पानी की सप्लाई बंद रहेगी। इसके बाद अगले एक दिन तक पानी कम प्रेशर और सीमित मात्रा में उपलब्ध रहेगा।

भिवंडी के इन इलाकों में रहेगा असर

इस जलापूर्ति बाधित होने का असर भिवंडी के कई प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ेगा। इनमें बिलालनगर, संजयनगर, केजीएन चौक, रहमतपुरा–1 और 2, गोविंदनगर, नदीपार, पिरानीपाड़ा, टीचर कॉलोनी, गुलजार नगर, सुभाष नगर, अंसार नगर, सत्तार टेकड़ी, कचेरी पाड़ा, वफा कॉम्प्लेक्स, किदवई नगर, गैबीनगर, भाजी मार्केट, सहयोग नगर, मुमताज नगर, टीपू सुल्तान रोड और शांतिनगर जैसे इलाके शामिल हैं।

जरूरी सेवाओं पर पड़ सकता है असर

पानी की सप्लाई बंद रहने से अस्पताल, स्कूल और स्थानीय व्यवसायों पर भी असर पड़ सकता है। खासकर गर्मी के मौसम में पानी की कमी से नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

नागरिकों से सहयोग की अपील

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे पहले से पानी का भंडारण कर लें और आवश्यकतानुसार ही पानी का उपयोग करें। मरम्मत कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए सहयोग जरूरी बताया गया है।

मानसून से पहले जरूरी तैयारी

अधिकारियों के अनुसार यह मरम्मत कार्य भविष्य में जलापूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए जरूरी है। मानसून के दौरान किसी भी तरह की समस्या से बचने के लिए यह कदम उठाया गया है।

सतर्कता और योजना जरूरी

ऐसे में नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे पानी के उपयोग की योजना पहले से बना लें, ताकि इस 24 घंटे की कटौती के दौरान किसी बड़ी समस्या का सामना न करना पड़े।

मुंबई इंफ्रास्ट्रक्चर से ऑस्ट्रिया प्रभावित

●एमएमआरडीए संग टनलिंग-टेक साझेदारी, 1 ट्रिलियन इकोनॉमी में भागीदारी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई एमएमआर इलाके में एमएमआरडीए द्वारा तेजी से हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से विदेशी नेता भी प्रभावित हो रहे हैं। इसी कड़ी में ऑस्ट्रिया ने अपने संस्थानों और कंपनियों के माध्यम से मुम्बई सहित राज्य में बुनियादी ढांचा विकास, नवाचार और टेक्नोलॉजी के जरिए शहरी विकास में भागीदारी की इच्छा जताई है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित एमएमआरडीए मुख्यालय में ऑस्ट्रिया के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऑस्ट्रिया गणराज्य के अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और पर्यटन मंत्री वोल्फगैंग हाटमंसडॉर्फर ने किया।

1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था

प्रतिनिधिमंडल में भारत में ऑस्ट्रिया के राजदूत रॉबर्ट ज़िश्ग के साथ ऑस्ट्रियन फेडरल मंत्रालय, एडवांटेज ऑस्ट्रिया, ऑस्ट्रियन फेडरल इकोनॉमिक चैंबर, ऑस्ट्रियाई विश्वविद्यालयों तथा अग्रणी कंपनियों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे।मुंबई महानगर क्षेत्र के साथ बढ़ते सहयोग का स्पष्ट संकेत दिया। ऑस्ट्रिया के मंत्री ने सीएम देवेंद्र फडणवीस से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया। उन्होंने महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। रणनीतिक सहयोग हेतु आशय पत्र हस्तांतरित करते हुए बुनियादी ढांचा, प्रौद्योगिकी और कौशल विकास पर जोर दिया। ऑस्ट्रिया में मंत्री अटल सेतु को देख कर काफी प्रभावित हुए।

लेटर ऑफ इंटेंट

ऑस्ट्रिया के केंद्रीय मंत्री ने एमएमआरडीए आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी को आशय पत्र सौंपा। इसमें दोनों पक्षों के बीच सुरंग निर्माण (टनलिंग) एवं भूमिगत अवसंरचना क्षेत्र में कौशल विकास। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं नवाचार, शैक्षणिक एवं संस्थागत सहयोग, वित्तीय सहयोग एवं औद्योगिक भागीदारी। पर्यटन विकास, भविष्य में औपचारिक सहयोग के लिए रूपरेखा का विकास आदि जरूरी विषय शामिल हैं।

टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग में ऑस्ट्रिया की मदद

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र बुनियादी ढांचा आधारित विकास और सतत प्रगति के लिए वैश्विक साझेदारियों को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंजीनियरिंग, नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में ऑस्ट्रिया की विशेषज्ञता सहयोग के व्यापक अवसर मिलेंगे। एमएमआर के विकास में ऑस्ट्रियाई सहभागिता नए अवसर पैदा करेगी। वहीं उपमुख्यमंत्री एवं एमएमआरडीए के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे के अनुसार महाराष्ट्र वैश्विक साझेदारियों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत कर रहा है। एमएमआरडीए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अवसर प्रदान कर रहा है। ऑस्ट्रिया के साथ इस प्रकार का सहयोग मुंबई महानगर क्षेत्र के विकास को और गति देगा।

डॉ. संजय मुखर्जी ने कहा कि

मुंबई महानगर क्षेत्र में चल रहे बुनियादी ढांचा विकास के पैमाने के कारण वैश्विक साझेदारों की रुचि लगातार बढ़ रही है। दावोस में प्राप्त सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद कई देश और संस्थाएं हमारे साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हैं।

चार साहिबजादे एमआरआई और सीटी स्कैन सेंटर का उद्धघाटन

जरूरतमंद मरीजों का होगा फायदा

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

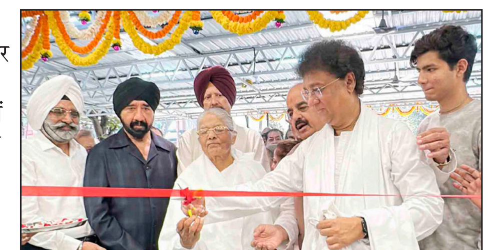

स्वर्गीय धीरज कुमार आयलानी की स्मृति में उल्हासनगर में एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया गया है। मंगलवार को मध्यवर्ति अस्पताल परिसर में स्थित अरुण कुमार वैद्य सभागार (टाउन हॉल) में 'चार साहिबजादे एमआरआई और सीटी स्कैन केंद्र' का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस स्वस्थ केंद्र का मुख्य उद्देश्य से आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों को अत्यंत कम कीमत पर अत्याधुनिक चिकित्सा जांच उपलब्ध कराना है. विधायक कुमार ऐलानी के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस जन कल्याणकारी पहल की सभी स्तरों पर सराहना हो रही है।

■ पूज्य मधुसूदनजी महाराज द्वारा रिबन काटकर इस स्वस्थ केंद्र का उद्घाटन किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, राजनीतिक नेता और विभिन्न धर्मों के धार्मिक नेता उपस्थित थे। इस केंद्र के खुलने से शहर के मरीजों को अब मात्र 1800 रुपए में एमआरआई और 1000 रुपए में सीटी स्कैन की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, रक्त परीक्षण और दवाओं पर 40 से 50 प्रतिशत की छूट भी किफायती दामों पर उपलब्ध होगी।

■ कार्यक्रम में विधायक कुमार आयलानी, पूर्व महापौर मीना आयलानी,आरजू धीरज आयलानी, बिंदिया आयलानी, धनंजय बोडरे, मनोज लासी, राम चार्ली, प्रकाश माखीजा सहित मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले, महापौर अश्विनी निकम, पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे, उपविभागीय अधिकारी विजयानंद शर्मा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही चार साहिबजादे ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदार गुरविंदर सिंह बावा, डॉ.हरमीत सिंह सलूजा और विभिन्न शैक्षणिक एवं धार्मिक संस्थानों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उपस्थित लोगों ने विश्वास जताया कि यह पहल समाज के आम लोगों के लिए वरदान साबित होगी।

भिवंडी नगर निगम स्थाई समिति चुनाव

सत्ता की कुर्सी के लिए सियासी जोड़तोड़ तेज

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी मनपा की स्थाई समिति के 16 सदस्यों के चुनाव 15 अप्रैल को महासभा सभागृह में होने जा रहे हैं। इस चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं और शहर में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। नगरसेवकों की संख्या के आधार पर देखें तो कांग्रेस के पास सबसे ज्यादा 30 सदस्य हैं, जबकि भाजपा के 22, शिवसेना के 12, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 12 और समाजवादी पार्टी के 6 नगरसेवक हैं। इसके अलावा कोणार्क विकास आघाड़ी के 4, भिवंडी विकास मंच के 3 और 1 अपक्ष नगरसेवक भी शामिल हैं।

भिवंडी नगर निगम में 16 सदस्यों का होगा चयन

संख्याबल के हिसाब से स्थाई समिति में कांग्रेस के 5, भाजपा के 4, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 2, शिवसेना के 2, समाजवादी पार्टी के 1, कोणार्क विकास आघाड़ी के 1 और भिवंडी विकास मंच के 1 सदस्य चुने जाने की संभावना है।

चेयरमैन पद के लिए बहुमत जरूरी

स्थाई समिति के चेयरमैन पद पर कब्जा करने के लिए कम से कम 9 सदस्यों का समर्थन जरूरी होगा। ऐसे में सभी दल बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने के लिए जोड़तोड़ में लगे हुए हैं।

सेक्युलर फ्रंट की भूमिका अहम

सेक्युलर फ्रंट के 7 सदस्यों की जीत लगभग तय मानी जा रही है, लेकिन चेयरमैन पद के लिए उन्हें अतिरिक्त समर्थन जुटाना होगा। इस स्थिति में अन्य दलों और अपक्ष सदस्यों की भूमिका निर्णायक हो सकती है।

सियासी जोड़तोड़ पर टिकी नजर

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि रईस शेख (सपा विधायक) एक बार फिर जोड़तोड़ की राजनीति कर सकते हैं, जैसा कि मेयर चुनाव के दौरान देखने को मिला था।

भाजपा भी बना रही रणनीति

दूसरी ओर, भाजपा भी चेयरमैन पद पर कब्जा करने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि अंत में कौन सा गठबंधन बहुमत हासिल कर सत्ता पर काबिज होता है।

चुनावी नतीजों पर टिकी निगाहें

चुनावी नतीजों पर टिकी निगाहें : इस चुनाव के परिणाम से भिवंडी की स्थानीय राजनीति की दिशा तय होगी। अब सभी की नजरें 15 अप्रैल को होने वाले मतदान और उसके नतीजों पर टिकी हुई हैं।

मनपा में आरटीआई कार्यकर्ता से मारपीट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

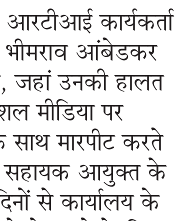

महानगरपालिका के आर-दक्षिण विभाग में सूचना लेने पहुंचे एक आरटीआई कार्यकर्ता के साथ सुरक्षाकर्मियों द्वारा कथित मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। आरोप है कि सुरक्षाकर्मियों ने कार्यकर्ता को पीटते हुए सीढ़ियों से घसीटा। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। घायल आरटीआई कार्यकर्ता महावीर यादव को उपचार के लिए भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर मनपा अस्पताल, कांदिवली में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें सुरक्षाकर्मी कार्यकर्ता के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। महावीर यादव ने बताया कि वह सहायक आयुक्त के केबिन के पास सूचना के लिए खड़े थे और कई दिनों से कार्यालय के चक्कर लगा रहे थे। उनका आरोप है कि सूचना देने से बचने के लिए उनके साथ मारपीट की गई। वहीं, सुरक्षाकर्मियों से संपर्क नहीं हो सका है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच कर रही है।

मुंबई में मामूली विवाद में हत्या

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के बांद्रा ईस्ट स्थित खेरवाड़ी इलाके में एक मामूली विवाद ने गंभीर रूप ले लिया, जहां एक 56 वर्षीय सुरक्षा गार्ड की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। यह घटना सोमवार दोपहर करीब 2 बजे म्हाडा कार्यालय के सामने हुई। मृतक की पहचान अभिनव चौधरी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के दरभंगा के निवासी थे और वर्तमान में वाकोला इलाके में रहते थे। वे एक निजी कंपनी में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत थे।

फोन कॉल को लेकर हुआ विवाद

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने फोन कॉल का जवाब न देने को लेकर चौधरी से बहस की। यह बहस जल्द ही हिंसक झगड़े में बदल गई, जिसके बाद आरोपी ने चाकू से हमला कर दिया।

गंभीर चोटों से हुई मौत

पुलिस के अनुसार, मृतक के गले और हाथों पर गंभीर चोटें आई थीं, जो उनकी मौत का कारण बनीं। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

3 जगह 3 वारदातें और नतीजा मौत

एक के बाद एक तीन हत्याओं से दहल उठी मुंबई

हंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के लिए पिछला रविवार (12 अप्रैल 2026) बेहद भयावह साबित हुआ। शहर के तीन अलग-अलग इलाकों दादर, माटुंगा और खेरवाड़ी में हुई तीन निर्मम हत्याओं ने पूरे महानगर को झकझोर कर रख दिया है। मामूली कहासुनी, पार्किंग विवाद और पुरानी रंजिश के चलते हुई इन वारदातों ने मुंबई की सड़कों पर बढ़ती असुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस ने इन मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

दादर: पत्नी के सामने पति को पीट–पीटकर मारा

दादर इलाके में पुरानी दुश्मनी का एक खौफनाक अंत हुआ। 28 वर्षीय अंकुश अंबेकर अपनी पत्नी के साथ दोस्त से मिलने जा रहे थे, तभी सायजी वाडी के पास सात से अधिक हमलावरों ने उन्हें घेर लिया। गौरव सनस और उसके साथियों ने अंकुश की उनकी पत्नी के सामने ही लात–घूंसों से बेरहमी से पिटाई की। गंभीर हालत में अंकुश को केईएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। दादर पुलिस ने मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

माटुंगा: पार्किंग विवाद में बुजुर्ग की जान गई

माटुंगा में हिंसा का कारण महज एक पार्किंग स्थल बना। दादर टाटा पुल के नीचे अपनी गाड़ी खड़ी करने से मना करने पर दो युवकों साहिल घड़गे और शाहबाज शेख ने 65 वर्षीय नरेश वाघेला पर हमला कर दिया। अपनी पत्नी के सामने ही बुजुर्ग वाघेला को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई। माटुंगा पुलिस ने दोनों मुख्य आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

खेरवाड़ी: धारदार हथियार से युवक का कत्ल

तीसरी वारदात खेरवाड़ी के कल्पतरु स्पार्कल्स में हुई, जहां पुराने विवाद को लेकर अभिनव चौधरी नामक युवक पर धारदार हथियार से हमला किया गया। दो अज्ञात हमलावरों ने अभिनव पर वार कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। खेरवाड़ी पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। मुंबई पुलिस ने इन बढ़ती वारदातों को देखते हुए शहर के संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे मामूली विवादों में कानून हाथ में न लें। एक ही दिन में हुई इन तीन मौतों से मुंबईवासी सदमे में हैं और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

मालाड से धारावी तक 15 ठिकानों पर छापे..13.69 लाख रुपए का माल जब्त, 16 गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू का काला कारोबार खुलेआम जारी है। बैन के बावजूद बाजार गर्म है और माफिया बेखौफ होकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। इस बीच खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मालाड से लेकर धारावी तक 15 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर 13.69 लाख रुपए का प्रतिबंधित माल जब्त किया और 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुंबई में प्रतिबंध के बावजूद गुटखा और तंबाकू का अवैध धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 के बीच चलाए गए विशेष अभियान के तहत एफडीए ने शहर के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर इस नेटवर्क को झटका देने की कोशिश की है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। वहीं 16 जुलाई 2025 से महाराष्ट्र में गुटखा, पान मसाला, स्वादयुक्त तंबाकू, सुपारी, खर्रा और मावा जैसे उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है, लेकिन इसके बावजूद इनका कारोबार जारी है। गोपनीय सूचना के आधार पर एफडीए की टीम ने मालाड, कुर्ला, सांताक्रुज, भांडुप, धारावी, मुलुंड, नल बाजार और बोरीवली समेत कुल 15 ठिकानों पर छापे मारे। इस दौरान 13.69 लाख रुपए से अधिक कीमत का प्रतिबंधित माल जब्त किया गया, जिसे बाजार में बेचने की तैयारी थी।

कल्याण में 5 महीने बाद सुलझा चेन स्नैचिंग केस

74 वर्षीय होटल मालिक से चेन लूटने वाले आरोपी पकड़े गए

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण पश्चिम में होटल मालिक से सोने की चेन छीनने के मामले में पुलिस ने 5 महीने बाद 3 आरोपियों को मुंबई के गोवंडी से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लाखों रुपए की सोने की चेन बरामद की गई है। सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणजी घेटे ने बताया कि 26 नवंबर 2025 की रात रामबाग लेन नंबर 4 स्थित सॉल्टी होटल बंद कर घर लौट रहे 74 वर्षीय होटल मालिक सी। जी। राजन के गले से तीन अज्ञात बदमाशों ने करीब 10 तोले (लगभग 7 लाख रुपए) की सोने की चेन झपट ली थी और फरार हो गए थे।

कल्याण में सीसीटीवी कैमरे से सुलझी गुत्थी

मामले की जांच के दौरान महात्मा फुले चौक पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें तीनों आरोपी एक मोटरसाइकिल पर भागते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस करते हुए उनका पीछा मुंबई तक किया।

देवनार में आरोपियों के यहां दबिश

पुलिस टीम ने गोवंडी के देवनार इलाके में छापेमारी कर दिलनवाज अब्दुल कय्यूम अंसारी (32), रिजवान याकूब खान (23) और शाहरुख सलीम शेख (30) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात कबूल कर ली। आरोपियों के पास से करीब 6.76 लाख रुपए मूल्य की सोने की चेन बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 13 अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस उप आयुक्त (परिमंडल–3) अतुल झेंडे और सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणजी घेटे के मार्गदर्शन में, महात्मा फुले चौक पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बलीरामसिंह परदेशी के नेतृत्व में टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दी गई।

हिंदमाता एंकर: मुंबई पुलिस ने यूट्यूबर को किया अरेस्ट, पत्नी के नाम पर बनाया था चैनल, मोबाइल नंबर खुद का डाला

लाइक्स और व्यूज के लिए बनाया विमान हादसे का सनसनीखेज वीडियो

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

सोशल मीडिया पर तेजी से व्यूज पाने की चाहत और अधिक से अधिक कमाई करने की होड़ ने एक खतरनाक डिजिटल ट्रेंड को जन्म दे दिया है। यूट्यूब चैनल वाले विभिन्न हादसे और घटनाओं को भ्रामक कंटेंट के साथ सनसनीखेज वीडियो बनाकर इसकी मदद से यूट्यूब पर दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। इस डिजिटल ट्रेंड को मुंबई में सामने आए एक ताजा मामले ने उजागर किया है। साइबर पुलिस ने वायरल वीडियो के जरिए पैसे कमाने की कोशिश में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

विमान हादसे से जुड़ा भ्रामक वीडियो बनाया

पश्चिम साइबर पुलिस के मुताबिक, आरोपी अक्षय सोनाले ने बारामती में हुए एक राजनेता के कथित विमान हादसे से जुड़ा आपत्तिजनक और भ्रामक वीडियो तैयार कर उसे यूट्यूब पर अपलोड किया था। इस वीडियो को इस तरह पेश किया गया कि लोगों में डर और भ्रम फैल सके, जिससे अधिक से अधिक व्यूज मिलें और चैनल की कमाई बढ़े। जांच में यह भी सामने आया कि उक्त वीडियो को जानबूझकर सनसनीखेज बनाकर पेश किया गया था, जिसकी वास्तविक जानकारी से कोई संबंध नहीं था। यह यूट्यूब चैनल अक्षय ने पत्नी के नाम से पंजीकृत किया था जबकि नंबर अपना डाला था। इसके चलते पुलिस अक्षय तक पहुंचने में कामयाब रही। बांद्रा कोर्ट ने अक्षय को पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पहले भी हुई थी एक की गिरफ्तारी

इस मामले में पहले भी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसने यह वीडियो आरोपी तक पहुंचाया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी उद्धव कापसे जालना का निवासी है। उद्धव ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सनसनीखेज वीडियो बनाकर अपलोड किया था। इस वीडियो को काफी व्यूज मिले थे। उद्धव कापसे की तरह दो दर्जन से अधिक यूट्यूब चैनल वाले पुलिस की रेडार पर हैं। इससे साफ है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोग पैसे कमाने के लिए कैसे अर्धसत्य कंटेंट परोसकर पैसे कमा रहे हैं, जिससे कानून व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी रहती हैं।

प्रशासन का क्या कहना है

साइबर सेल के डीसीपी पुरुषोत्तम कराड का कहना है कि इस तरह के विवादित वीडियो न केवल समाज में भ्रम फैलाते हैं, बल्कि लोगों की भावनाओं से भी खिलवाड़ करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि व्यूज और पैसे के लालच में गलत या भ्रामक कंटेंट बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विराट हिंदू सम्मेलन संपन्न

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा भायंदर

मीरा रोड के मेड़तिया नगर बस्ती द्वारा भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में सनातनी सह परिवार उपस्थित रहे। हिंदू सम्मेलन का आयोजन श्री श्याम कीर्तन समिति, श्री श्याम प्रेमी जलसेवा मुंबई ने किया था। आयोजन समिति के अध्यक्ष जयसिंह यादव ने इस आयोजन को लेकर कहा कि ऐसे आयोजनों की शहर में सख्त आवश्यकता है लोगों को सनातन धर्म के प्रति जागरूक करना उनका एक मात्र उद्देश्य है। जयसिंह ने के अनुसार मीरा भायंदर की जनता ने मनपा की 95 सीटों में से 78 सीटों पर भाजपा की झोली में डाली जो साबित करता है कि शहर सनातनियों का है। सम्मेलन की शुरूवात दीप प्रज्वलन के साथ की गई इस सम्मेलन में गणेश वंदना,हनुमान चालीसा, कराटे प्रशिक्षण, भरत नाट्यम,शिव तांडव,एकल गीत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने आयोजकों की तारीफ करते हुए कहा कि शहर में इस प्रकार के आयोजन युवाओं को धर्म और कर्म से जोड़ते है। आयोजक समिति के रमणलाल खैराड़ी ने आए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन शहर में अब हर वर्ष किया जाएगा।

मच्छर जनित बीमारियों का खतरा

डेंगू और मलेरिया के मामलों में वृद्धि दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में मच्छर जनित बीमारियों का खतरा एक बार फिर तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। मानसून अभी शुरू भी नहीं हुआ है, लेकिन डेंगू और मलेरिया के शुरूआती आंकड़े ही चिंता पैदा करने के लिए काफी हैं। हर साल की तरह इस बार भी प्रशासन की ओर से कई अभियान चलाने और सख्त निगरानी के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन पिछले वर्षों के आंकड़े और मौजूदा हालात इन दावों पर गंभीर सवाल खड़े करते नजर आते हैं। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि अगर अभी से ठोस और सख्त कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले मानसून में मुंबई को मच्छर जनित बीमारियों के बड़े प्रकोप का सामना करना पड़ सकता है।

साल की शुरूआत में ही बढ़े मामले

- मुंबई मनपा और स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 की शुरूआत से ही डेंगू और मलेरिया के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। सामान्यत: इन बीमारियों के मामले मानसून के दौरान ज्यादा देखने को मिलते हैं, लेकिन इस बार बरसात से पहले ही मरीज सामने आने लगे हैं।
- जनवरी – 7 मार्च 2026 (मनपा के आंकड़े)
- मलेरिया– 918, इनमें 222 मामले प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के।
- डेंगू– 182, मामलों में लगातार बढ़ोतरी।
- चिकनगुनिया– 9, सीमित लेकिन खतरा मौजूद।
- हालांकि, राहत की बात यह है कि इस अवधि के दौरान इन बीमारियों से किसी भी मरीज की मौत दर्ज नहीं हुई है। लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल शुरूआती संकेत हैं और असली चुनौती मानसून के दौरान सामने आती है।

पांच साल के आंकड़े खोल रहे सच्चाई

पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो साफ दिखाई देता है कि मच्छर जनित बीमारियां मुंबई में लगातार गंभीर समस्या बनती जा रही हैं। महामारी के दौरान मामलों में कुछ कमी जरूर आई थी, लेकिन जैसे ही शहर सामान्य स्थिति में लौटा, डेंगू और मलेरिया के मामलों ने फिर से तेजी पकड़ ली।

महिला पुलिसकर्मी ने लगाया सुसाइड स्टेटस

अधिकारी पर उत्पीड़न का आरोप, जानें क्या है कारण?

हिंदमाता नेटवर्क @ छत्रपति संभाजीनगर

महिला पुलिसकर्मी ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर आत्महत्या की ओर इशारा करने वाली एक पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने सीधे तौर पर अपने वरिष्ठ अधिकारी पर मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए। स्टेटस में लिखा था कि उनके साथ घोर अन्याय हो रहा है और बिना किसी ठोस कारण के उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक वरिष्ठ अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिससे तंग आकर वे यह कठोर कदम उठाने पर विचार कर रही हैं।

पुलिस प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

जैसे ही यह स्टेटस वरिष्ठ अधिकारियों की नजर में आया, विभाग में हड़कंप मच गया। महिला कर्मचारी की जान को खतरे में देखते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। सोमवार को पूरे दिन व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। आखिरकार, दोपहर बाद महिला कर्मचारी को खुलताबाद क्षेत्र में सुरक्षित पाया गया, जिसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

विवाद की मुख्य वजहें

सूत्रों के अनुसार, महिला पुलिसकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी के बीच पिछले कुछ समय से तनाव चल रहा था। बताया जा रहा है कि संबंधित अधिकारी ने अचानक महिला पुलिसकर्मी से चार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां वापस ले ली थीं, जिसे उन्होंने सार्वजनिक अपमान और मानसिक प्रताड़ना के रूप में देखा।रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ महीने पहले भी महिला पुलिसकर्मी ने उक्त अधिकारी के व्यवहार के विरुद्ध सिडको पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की थी, लेकिन तब मामला सुलझ नहीं पाया।

लड़की ने पब में बुलाया शराब और खाना मंगाया

बिल आया तो शुरू हुआ ब्लैकमेलिंग और लूट का खेल

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां डेटिंग ऐप पर हुई दोस्ती एक युवक को भारी पड़ गई। युवती ने मिलने के बहाने युवक को शहर के एक पब में बुलाया, जहां उसके साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। दरअसल, शहर में डेटिंग ऐप के जरिए ठगी का एक संगठित गिरोह सक्रिय हो गया है। घटना के बाद से पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

34 हजार रुपए से ज्यादा खाने का बिल

यह मामला तब सामने आया जब एक युवक ने डेटिंग ऐप पर एक युवती से दोस्ती की और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। कुछ दिनों बाद युवती ने युवक को शहर के सदर इलाके के एक पब में मिलने के लिए बुलाया। पब में पहुंचते ही युवती ने शराब और खाने-पीने का ऑर्डर देना शुरू किया और थोड़ी देर में पब की ओर से युवक के सामने 34 हजार रुपए से ज्यादा का बिल पेश कर दिया गया। इतना बिल देखकर युवक चौंक गया।

सड़क हादसे से हुई मौतों में 23% की वृद्धि

मार रही रफ्तार!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में सड़क हादसों ने अब भयावह रूप ले लिया है। हर दिन हो रहे सड़क हादसों और उसमें हो रही मौतों ने सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुरबाड-कल्याण मार्ग पर हुए ताजा हादसे में 11 लोगों की दर्दनाक मौत ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। इससे पहले भी समृद्धि महामार्ग और मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर कई बड़े हादसे हो चुके हैं, जिनमें दर्जनों लोगों की जान जा चुकी है। हालात ऐसे बन चुके हैं कि आम नागरिक घर से निकलते समय अपनी सुरक्षा को लेकर आशंकित है। बता दें कि राज्य में सड़क हादसों के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। 2019 में सड़क हादसों में 12,788 मौतें हुई थीं, जबकि वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 15,715 पर पहुंच गया। विगत पांच वर्ष में इसमें कुल 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। समृद्धि महामार्ग पर भी स्थिति चिंताजनक है। वर्ष 2024 में यहां 137 हादसे हुए, जबकि वर्ष 2025 में 185 हादसे हुए, मतलब 37 प्रतिशत वृद्धि हुई है। क्रमशः मौतें भी 126 से बढ़कर 152 हुई हैं। ये आंकड़े साफ बताते हैं कि सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार पूरी तरह फेल साबित हो रही है। लगातार हो रहे हादसों से लोगों में भारी आक्रोश है। पीड़ित परिवारों को न तो समय पर मदद मिलती है और न ही दोषियों पर सख्त कार्रवाई होती है। महाराष्ट्र में सड़क हादसे अब 'दुर्घटना' नहीं, बल्कि सिस्टम की नाकामी का नतीजा बन चुके हैं। जब तक सरकार सख्त कदम नहीं उठाती, तब तक मौतों का यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है।

अब तक नहीं बनी ठोस रणनीति

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदार कौन? क्यों नहीं हो रही सख्त कार्रवाई? सरकार की ओर से सड़क सुरक्षा को लेकर कई दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। न तो ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है और न ही हादसों को रोकने के लिए कोई ठोस रणनीति नजर आती है।

भड़का विपक्ष, लगाए आरोप

विपक्ष का आरोप है कि परिवहन विभाग की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण हादसे बढ़ रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि राज्य में क्षमता से ज्यादा यात्रियों को ढोने वाले वाहनों पर कोई सख्ती नहीं है। ओवरलोडिंग, खराब सड़कें और नियमों की अनदेखी आम हो चुकी है।

मां पर टूटा दुखों का पहाड़

दो बेटी और एक बेटे की एक साथ मौत

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

सात साल पहले गई थी पति की जान

ठाणे के तीन भाई-बहन छुट्टी मनाने घर से निकले थे और मां से जल्द लौटने का वादा करके गए थे। लेकिन एक भीषण सड़क हादसे ने उनकी जिंदगी छीन ली और पूरे परिवार को उजाड़ दिया। दिल दहलाने वाला एक सच ये भी है कि इन मासूमों की मां ने सात साल पहले अपने पति को भी खो दिया था और अब बच्चे भी छिन गए।

मां, हम बस दो-तीन दिन में वापस आ जाएंगे

'मां, हम बस दो-तीन दिन में वापस आ जाएंगे,' मामा के यहां छुट्टी मनाने जा रहे बच्चों के यही आखिरी शब्द थे। लेकिन कुछ घंटों बाद, सोमवार की सुबह एक भयानक सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने उनकी मां को झकझोर कर रख दिया।

वैन और सीमेंट मिक्सर ट्रक की टक्कर

22 साल की स्नेहा मोहापे, 20 साल की मानसी और उनका 17 साल के भाई प्रथमेश उन 11 लोगों में शामिल थे जिनकी वैन हादसे का शिकार हो गई। कल्याण तालुका के रायते गांव के पास उल्हास नदी पर बने नवनिर्मित पुल पर यात्रियों से भरी वैन और एक सीमेंट मिक्सर ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में सभी 11 लोगों की मौत हो गई थी जिसमें 3 भाई बहन भी थे।

सात साल पहले अपने पति की मौत

इस त्रासदी ने बच्चों की मां अंजना मोहापे के पूरे सहारे को तहस-नहस कर दिया है। सात साल पहले अपने पति की मृत्यु के बाद से उन्होंने अपने बच्चों को बड़ी मुश्किलों से पाला था। घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली अंजना ने अपने बच्चों को इस उम्मीद में खूब पढ़ाया कि वे जल्द ही अपने पैरों पर खड़े हो जाएंगे और परिवार को आर्थिक तंगी से बाहर निकालेंगे। परिवार के एक सदस्य नत्थू मोहापे ने बताया कि, 'वह इन्हीं के लिए जीती थी। पति को खोने के बाद, ये तीनों ही उसके जीने का एकमात्र सहारा थे।

कॉलेज की छुट्टियां बिताने गए थे भाई- बहन

परिवार के एक अन्य सदस्य ने कहा कि ये तीनों होनहार बच्चे थे और अपनी मां के लिए कुछ करने का सपना देखते थे। अब सब कुछ पल भर में खत्म हो गया।' भाई-बहन कॉलेज की छुट्टियां बिताने के लिए जिले के मुरबाद तालुका के पनहे गांव में अपने मामा के घर जा रहे थे। परिवार के सूत्रों के अनुसार, तीनों भाई-बहनों का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में किया जाएगा।

हादसे में 11 लोगों की गई जान

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि वैन चकनाचूर हो गई। स्थानीय निवासी बचाव अभियान शुरू करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक लगभग सभी यात्रियों की जान जा चुकी थी। इस दुर्घटना ने कल्याण-अहिल्यानगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों को लेकर स्थानीय लोगों में नए सिरे से आक्रोश पैदा कर दिया है। निवासियों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में लगे ट्रक, मिक्सर और डंपर ट्रक अक्सर राजमार्ग पर गति सीमा और सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करते हैं।

कार की ट्रक से टक्कर हो जाने के बाद चालक की मौत

आईटी कंपनी के चार कर्मचारी घायल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

ठाणे जिले में मुंबई-नाशिक राजमार्ग पर मंगलवार सुबह एक कार के ट्रेलर ट्रक से टकरा जाने के बाद कार चालक की मौत हो गई और एक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी के चार कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ठाणे आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि घायल हुए लोग दफ्तर से घर लौट रहे थे और तड़के तीन बजकर 55 मिनट पर खारेगांव टोल प्लाजा के समीप एक पेट्रोल पंप के पास यह घटना घटी। उन्होंने बताया कि चालक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन एक ट्रेलर ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गया और जोरदार टक्कर हो जाने के बाद वह कार के अंदर ही फंस गया। सूचना मिलने के बाद बचाव टीम मौके पर पहुंची। तड़वी ने बताया कि टीम ने गंभीर रूप से घायल हुए कार चालक को बाहर निकाला और उसे कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान ठाणे के वागले एस्टेट निवासी दीपक पाटेकर (26) के रूप में हुई है। कार सवार चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कार सवार इन चार लोगों की उम्र 20 से 23 साल के बीच है और वे डोंबिवली के रहने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि क्षतिग्रस्त हुए वाहन को क्रेन की मदद से सड़क से हटा दिया गया और थोड़ी देर के लिए यातायात प्रभावित भी रहा, जिसे बहाल कर दिया गया।

11 यात्रियों की मौत के बाद भी नहीं लिया सबक

कल्याण में 5 सीटर टैक्सी में ठूंसे जा रहे हैं 10-11 पैसेंजर

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले के कल्याण-मुरबाद मार्ग पर हुए उस भयावह हादसे की यादें अभी धुंधली भी नहीं हुई हैं, जिसमें 11 यात्रियों की जान चली गई। टिटवाला पुलिस ने इस मामले में इको टैक्सी और सीमेंट मिक्सर ट्रक चालक के खिलाफ मामला तो दर्ज कर लिया है, लेकिन सड़क पर मौत का तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक के शोक व्यक्त करने के महज 24 घंटे के भीतर, उसी सड़क पर नियमों की धज्जियां उड़ती देखी गईं। हैरानी की बात यह है कि जिस 'इको' वाहन की आधिकारिक क्षमता केवल 5+1 (ड्राइवर सहित 6) है, उसमें आज भी 10 से 11 यात्री जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे हैं।

हादसे से नहीं लिया कोई सबक

रायते पुल पर हुई टक्कर के बाद उम्मीद थी कि प्रशासन सख्त कदम उठाएगा, लेकिन कल्याण स्टेशन से लेकर मुरबाद, मलंगगढ़ रोड और भिवंडी तक अवैध यातायात सुचारू रूप से जारी है। काली-पीली टैक्सियों में यात्रियों को इस कदर ठूंसा जा रहा है कि चालक के पास वाहन नियंत्रित करने की जगह भी नहीं बचती। यात्रियों का कहना है कि प्रशासन की इस अनदेखी के कारण ही आए दिन मासूमों की बलि चढ़ रही है।

महंगाई का तर्क और पुलिस पर सवाल

जब इस ओवरलोडिंग के बारे में टैक्सी चालकों से बात की गई, तो उन्होंने अपनी मजबूरी का रोना रोया। चालकों का तर्क है कि बढ़ती महंगाई, सीएनजी की ऊंची कीमतों और भारी रखरखाव लागत के कारण कम यात्रियों के साथ धंधा करना नामुमकिन है। हालांकि, उन्होंने पुलिस प्रशासन पर भी निशाना साधते हुए पूछा, अगर हम नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, तो ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं करती? उनका नियंत्रण कहां है?

परिवहन मंत्री की जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार की अपील

हादसे की गंभीरता को देखते हुए परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने नागरिकों से अपील की है। उन्होंने कहा कि क्षमता से अधिक यात्री ले जाना न केवल अवैध है, बल्कि जानलेवा भी है। विभाग कार्रवाई कर रहा है, लेकिन नागरिकों को भी अपनी सुरक्षा के लिए ऐसे वाहनों में बैठने से बचना चाहिए। सवाल यह है कि क्या केवल अपीलों से यह जानलेवा सिलसिला थमेगा या प्रशासन को किसी और बड़ी दुर्घटना का इंतजार है?

एहसान का बदला चुका रहे हैं गद्दार

मिलिंद देवड़ा के ट्वीट पर कांग्रेस का पलटवार

लेकिन मामले में है ट्विस्ट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

पद्म विभूषण गायिका आशा भोसले के अंतिम संस्कार के दौरान मुंबई के शिवाजी पार्क में जो शांति और कृतज्ञता होनी चाहिए थी, वह अब एक बड़े राजनीतिक संग्राम में बदल गई है। शिवसेना (शिंदे गुट) के सांसद मिलिंद देवड़ा के एक ट्वीट ने महाराष्ट्र कांग्रेस को इस कदर नाराज कर दिया है कि पार्टी ने उन पर 'कृतघ्नता' और 'गद्दारी' का सबसे तीखा हमला बोला है।

विवाद की जड़: मिलिंद देवड़ा का ट्वीट

आशा भोसले के अंतिम संस्कार में समाज के हर वर्ग और राजनीतिक दल के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। हालांकि, मिलिंद देवड़ा ने ट्वीट कर दावा किया कि एक प्रमुख राजनीतिक दल इस दुखद अवसर से नदारद रहा, जो उनकी देश की सांस्कृतिक नब्ज से दूरी को दर्शाता है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन कांग्रेस ने इसे खुद पर हमला मानकर मोर्चा खोल दिया।

मिलिंद देवड़ा की सफाई और नेपोलियन का जिक्र

विवाद बढ़ता देख मिलिंद देवड़ा ने दूसरा ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने स्थिति को और अधिक पेचीदा बना दिया। उन्होंने नेपोलियन बोनापार्ट का उदाहरण देते हुए लिखा, जब आपका दुश्मन गलती कर रहा हो, तो उसे कभी मत रोको। देवड़ा ने संकेत दिया कि उनका पिछला ट्वीट कांग्रेस के लिए नहीं, बल्कि ठाकरे की शिवसेना के लिए था। उन्होंने कटाक्ष किया कि यह देखकर खुशी हुई कि उनका ट्वीट एक पार्टी के लिए आत्महत्या और अनजाने में हुई स्वीकारोक्ति साबित हुआ। यह विवाद ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र की राजनीति में 'गद्दार' और 'स्वाभिमानी' जैसे शब्दों को लेकर पहले से ही भारी खींचतान चल रही है।

कांग्रेस का तीखा पलटवार
एहसान का बदला चुका रहे हैं गद्दार

- महाराष्ट्र कांग्रेस ने देवड़ा के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें राजनीति का सबसे निचला स्तर बताया। कांग्रेस ने आधिकारिक बयान में कहा
- उपस्थिति का प्रमाण: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे, नसीम खान, सांसद प्रणिति शिंदे और कई पदाधिकारी आशा ताई को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे।
- व्यक्तिगत हमला: कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जिस पार्टी ने देवड़ा परिवार को नाम, सम्मान और पहचान दी, मिलिंद देवड़ा उसी पर भौंक रहे हैं।
- शिंदे गुट पर तंज: कांग्रेस ने कहा कि मिलिंद देवड़ा शिंदे गुट के दरवाजे पर खड़े होकर सांसद पद की भीख मांगते हैं और अब झूठ बोलकर कांग्रेस पर कीचड़ उछालकर शिंदे के एहसान का बदला चुका रहे हैं।

मिलावटी दूध पर एफडीए और पुलिस ने की कार्रवाई

अमित तिवारी @ मुंबई

मुंबई के वर्षोवा इलाके में दूध में मिलावट किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। सह आयुक्त महेश चौधरी के निर्देश पर लगातार मिलावटी दूध पर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में वसोर्वा पुलिस अंतर्गत एक रहिवासी इलाके में दूध की टेम्परिंग की जा रही थी। जिसकी सूचना पुलिस और अन्न व औषध प्रशासन मुंबई मंडल को मिली। जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई. कार्रवाई में 621 लीटर दूध, जिसकी कीमत 35219/- रुपए है को जब्त कर, नष्ट कर दिया गया तथा आरोपी के विरुद्ध वसोर्वा पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। महेश चौधरी ने जबसे पदभार ग्रहण किया है तबसे मिलावट खोरों के बिरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं। 9 अप्रैल को किये गये इस कार्रवाई को सहायक आयुक्त भूषण मोरे ने अन्न सुरक्षा अधिकारी ऋतुजा जाधव, रामू माली श्रीपाद घरगूंटी, प्रतीक्षा मसगुडे के साथ मिलकर सुनिश्चित किया।

मीडिया से दूरी और खरात मामले पर चुप्पी की क्या थी वजह?

चाकणकर ने फेसबुक पर किया चौंकाने वाला खुलासा

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

नाशिक के विवादित अशोक खरात मामले में घिरीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता रूपाली चाकणकर ने 28 दिनों की लंबी खामोशी के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। अपनी बहन प्रतिभा चाकणकर से एसआईटी की 10 घंटे की पूछताछ के अगले ही दिन, रूपाली चाकणकर ने फेसबुक पर एक विस्तृत पोस्ट साझा की है। उन्होंने मीडिया के सामने न आने के कारणों का खुलासा करते हुए अपने और अपने परिवार पर लगे आरोपों को 'मानहानि की घिनौनी साजिश' करार दिया है।

मीडिया से दूरी की असली वजह

रूपाली चाकणकर ने स्पष्ट किया कि पिछले कुछ दिनों से मीडिया में उनके खिलाफ चल रही एकतरफा खबरों पर उन्होंने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। उन्होंने लिखा, मेरी खामोशी का एकमात्र उद्देश्य यह था कि एसआईटी और जांच एजेंसियां बिना किसी दबाव के निष्पक्ष जांच कर सकें। उन्होंने आरोपों को 'मीठी-मीठी कहानियों और दिलचस्प अफवाहों' का पुलिंदा बताया।

'गुमनाम पत्र' और बीड कनेक्शन पर सवाल

चाकणकर ने बीड से आए एक कथित गुमनाम पत्र को लेकर पुलिस प्रशासन और मीडिया की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि जिस पत्र पर किसी का नाम या पता नहीं है, वह मीडिया तक कैसे पहुंचा? उन्होंने आरोप लगाया कि बिना किसी जांच के उस पत्र को आधार बनाकर दिन भर चर्चा करना एक सुनियोजित साजिश थी। बीड के पुलिस अधीक्षक नवनीत कौट के बयान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि गुमनाम पत्रों का कोई कानूनी महत्व नहीं होता, तो फिर इसे इतना तूल क्यों दिया गया?

वित्तीय लेनदेन से पल्ला झाड़ा

अपनी बहन प्रतिभा चाकणकर के नाम पर मिले फर्जी बैंक खातों और करोड़ों के लेनदेन के दावों पर रूपाली ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि खरात मामले में किसी भी प्रकार के वित्तीय लेनदेन, भूमि सौदे या किसी अन्य गलत काम में उनका या उनके परिवार का कोई हाथ नहीं है। उन्होंने मांग की है कि उस गुमनाम पत्र को लिखने वाले असली व्यक्ति का पता लगाया जाए ताकि सच्चाई महाराष्ट्र के सामने आ सके। रूपाली चाकणकर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईडी और एसआईटी अशोक खरात के नेटवर्क को खंगाल रही हैं। चाकणकर ने विश्वास जताया है कि अंत में वे और उनका परिवार बेदाग साबित होगा।

हिंदमाता एंकर: आंबेडकर जयंती पर राज ठाकरे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी ये सलाह

केवल शोर-शराबा करना भर सच्ची श्रद्धांजलि नहीं

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

आज पूरे देश और महाराष्ट्र में भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई जा रही है। मुंबई के चैत्यभूमि पर अनुयायियों का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। राज्यपाल विष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व सुनेत्रा पवार ने चैत्यभूमि पर जाकर बाबासाहेब को नमन किया। इसी बीच, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर बाबासाहेब को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और वर्तमान राजनीति व समाज पर तीखा प्रहार किया।

सिर्फ माला पहनाने तक सीमित न रहें महापुरुष

राज ठाकरे ने अपनी पोस्ट में इस बात पर चिंता व्यक्त की कि आज महापुरुषों को केवल मूर्तियों, जातियों और शोर-शराबे वाले जुलूसों तक सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, बाबासाहेब आंबेडकर, महात्मा फुले और सावरकर जैसे महान नेताओं को जातियों में बांटना और उनकी जयंती पर कर्कश डीजे लगाकर जुलूस निकालना ही सच्ची श्रद्धांजलि नहीं है। जब हम इस दिखावे से बाहर निकलेंगे, तभी हम उनके विचारों के साथ न्याय कर पाएंगे।

बाबासाहेब के आर्थिक ज्ञान का उल्लेख

राज ठाकरे ने बाबासाहेब को केवल एक सामाजिक नेता नहीं, बल्कि एक प्रखर अर्थशास्त्री के रूप में याद किया। उन्होंने उनके प्रसिद्ध ग्रंथ 'द प्रॉब्लम ऑफ द रुपी: इट्स ओरिजिन एंड इट्स सॉल्यूशन' का जिक्र करते हुए कहा कि आज जब रुपया कमजोर हो रहा है, तब बाबासाहेब के आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। उन्होंने याद दिलाया कि बाबासाहेब के सुझाव ही भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना का आधार बने थे।

सत्ता की राजनीति पर प्रहार

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर कटाक्ष करते हुए राज ठाकरे ने कहा कि आज की सरकारें विकास का मतलब केवल फ्लाइओवर, सड़क और सरकारी मदद तक सीमित समझती हैं। जबकि बाबासाहेब आंबेडकर का विजन समाज के अंतिम व्यक्ति के आर्थिक और सामाजिक उत्थान का था। उन्होंने आरोप लगाया कि आज के सत्तालोभी राजनीतिज्ञ महापुरुषों के विचारों को पैरों तले रौंद रहे हैं और केवल अपनी राजनीति चमकाने के लिए उनका उपयोग कर रहे हैं। ठाकरे ने अंत में युवाओं और समाज से आान किया कि महापुरुषों को जातियों के चश्मे से देखना बंद करें और उनके समग्र दृष्टिकोण को समझकर देश के विकास में योगदान दें।

वर्धा अस्पताल में लापरवाही की हद

हिंदमाता नेटवर्क @ वर्धा

वर्धा जिले के सामान्य अस्पताल में एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पहले ही विभाग प्रमुख द्वारा अतिरिक्त शल्य चिकित्सक से मारपीट और बीते तीन महीनों में दो बार आग लगने की घटनाओं के कारण चर्चा में रहे इस अस्पताल का अब एक नया बीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में चलने-फिरने में असमर्थ मरीज के साथ लापरवाहीपूर्ण व्यवहार दिख रहा है। आम तौर पर ऐसे मरीजों को विलचेयर या स्ट्रेचर के माध्यम से ले जाना आवश्यक होता है, लेकिन वायरल वीडियो में एक महिला मरीज को प्लास्टिक की कुर्सी पर बैठाकर ले जाते हुए देखा जा सकता है।

विचार प्रवाह

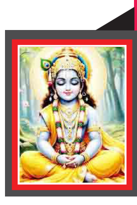

मन की गतिविधियों, होश, श्वास, और भावनाओं के माध्यम से भगवान की शक्ति सदा तुम्हारे साथ है, और लगातार तुम्हे बस एक साधन की तरह प्रयोग कर के सभी कार्य कर रही है।
– श्रीमद्भगवद्गीता

संपादकीय

महंगाई और स्थिर वेतन के बीच बढ़ी खाई

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणिति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं। लेकिन इस संकट को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया। निर्विवाद रूप से बढ़ती महंगाई और स्थिर वेतन के बीच बढ़ती खाई से अशांति की जड़ें गहरी होती जा रही हैं। औद्योगिक केंद्रों में कामगार पश्चिम एशिया युद्ध के चलते बढ़ी महंगाई के कारण दबाव में अपना गुजारा करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। निस्संदेह, हरियाणा द्वारा न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का निर्णय इस गंभीर वास्तविकता की स्वीकृति को ही दशार्ता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि तात्कालिक उपाय के रूप में बातचीत और शिकायतों का फौरी निवारण कारगर विकल्प नहीं हो सकते। हालांकि, अधिकारी अशांति फैलाने में निहित स्वार्थी तत्वों की भूमिका की जांच कर रहे हैं, लेकिन ये घटनाएं व्यवस्थागत अविश्वास को भी दशार्ती हैं। दरअसल, श्रमिकों का उपेक्षित महसूस करना वातावरण को अस्थिर बनाता है। लेकिन यह एक हकीकत है कि दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन के लिये विनिर्माण की महत्वाकांक्षाएं स्थिर-प्रेरित कार्यबल के बिना संभव नहीं हैं। औद्योगिक अशांति केवल उत्पादन-निवेश तक ही सीमित नहीं रहती। इससे आपूर्ति शृंखला बाधित होने और निवेशकों का भरोसा कम होने की आशंका भी पैदा होती है। निस्संदेह, आर्थिक प्रगति समावेशी हो। शासन को श्रमिक हितैषी होना चाहिए। विश्वास निर्माण से ही हमारे कारखाने विकास का इंजन बन सकते हैं।

आज का इतिहास

- 1994 - भारत सहित 109 देशों द्वारा 'गैट' समझौते की स्वीकृति।
- 1998 - थम्पी गुरु के नाम से प्रसिद्ध फ़्रेडरिक लेंज का निधन।
- 1999 - पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो तथा उनके पति आसिफ अली जरदारी को सरकारी ठेकों में दलाली खाने के आरोप में पांच वर्ष की कैद की सजा, पाकिस्तान ने परमाणु क्षमता वाले अपने दूसरे प्रक्षेपास्त्र शाहीन-1 का परीक्षण किया।
- 2000 - आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग के आहवान के साथ जी -77 शिखर सम्मेलन हवाना में सम्पन्न।
- 2003 - ब्रिटेन में आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने हथियार डाल देने का निर्णय लिया।
- 2004 - राजीव गांधी हत्याकांड से जुड़े लिट्टे उग्रवादी वी. मुरलीधरन की कोलम्बो में हत्या की गयी।
- 2006 - इंटरपोल ने जकार्ता सम्मेलन में एंटी करप्शन एकेडमी के गठन का प्रस्ताव सुझाया।
- 2008 -राज्यसभा के सभापति मोहम्मद हामिद अंसारी ने बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन नव निर्वाचित 55 सदस्यों में से 50 को शपथ दिलायी। भारतीय मूल के कनाडाई मंत्री दीपक ओबेरॉय को अफगानिस्तान पर गठित कनाडाई संसद की विशेष समिति का सदस्य चुना गया।
- 2010 - भारत में निर्मित पहले क्रायोजेनिक रॉकेट जीएसएलवी-डी3 का प्रक्षेपण नाकाम हो गया।
- 1452 - लिओनार्दो दा विंची, इटलीवासी, महान चित्रकार।
- 1469 - गुरु नानक - उनमें पैगम्बर, दार्शनिक, राजयोगी, गृहस्थ, त्यागी, धर्मसुधारक, समाज-सुधारक, कवि, संगीतज्ञ, देशभक्त, विश्वबन्धु सभी के गुण उत्कृष्ट मात्रा में विद्यमान थे।
- 1563 - गुरु अर्जन देव - सिक्खों के पांचवें गुरु।
- 1865 - अयोध्यासिंह उपाध्याय - खड़ी बोली के प्रथम महाकाव्यकार।
- 1901 - अजय कुमार मुखर्जी - पश्चिम बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे।
- 1907 - शेर जंग थापा - भारतीय सेना अधिकारी थे। वे 'स्कार्दू के नायक' के रूप में सम्मानित थे।
- 1940 - सुल्तान खान - भारत के प्रसिद्ध सारंगी वादक और शास्त्रीय गायक।
- 1946 - फ्रांसिस्को सार्डिन्हा - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ, जो गोवा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री रहे हैं।
- 1948 - थिरुमलाचारी रामासामी - पूर्व भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी सचिव हैं।

बंगाल का पतन: नीतियों और राजनीति की कीमत

औद्योगिक शिखर से गिरावट तक—आर्थिक फैसलों और जनादेश की कहानी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले ने कहा था, भारत जो कल सोचता है उसे बंगाल आज सोच लेता है। उनकी यह उक्ति स्वतंत्रता के समय के पश्चिम बंगाल के लिए सटीक थी। बंगाल सांस्कृतिक और सामाजिक नवजागरण के साथ-साथ देश के औद्योगिक और आर्थिक विकास का भी केंद्र था और कलकत्ता(अब कोलकाता) उसकी मुकुटमणि था। स्वतंत्रता के समय उद्योग और व्यापार का सबसे बड़ा केंद्र कलकत्ता ही था, जिसकी जीडीपी शंघाई के बराबर थी और औसत आय उससे भी अधिक। देश की एक चौथाई वस्तुओं का उत्पादन अकेले बंगाल में होता था और देश की जीडीपी में सबसे बड़ा योगदान बंगाल का ही था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद और खासकर साठ के दशक के बाद बंगाल और कलकत्ता की किस्मत ने ऐसी पलटी खाई कि आज इस राज्य में तीन प्रतिशत से भी कम वस्तुएं बनती हैं और जीडीपी में उसका योगदान घटकर केवल 5.6 प्रतिशत रह गया है। प्रति व्यक्ति आय में भी वह पहले स्थान से फिसलकर 21वें पायदान पर चला गया है। राज्यों के मानव विकास सूचकांक में भी वह 22वें से 25वें पायदान पर है। ओडिशा भी उससे आगे निकल चुका है। इस पतन का असली कारण बंगाल की राजनीति, आर्थिक विषमता और कानून व्यवस्था में छिपा है, जिसे राज्य सरकारों ने लगातार नजरअंदाज किया है।

मजदूर आंदोलनों और वाम शासन का प्रभाव

बढ़ती आर्थिक विषमता के कारण साठ के दशक से ही नक्सलबाड़ी के हिंसक आंदोलन का दौर शुरू हो गया, जिस पर अंकुश लगाने में राज्य और केंद्र सरकारें, दोनों विफल रहीं। इससे कानून व्यवस्था भंग हुई और राज्य अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले छोटे और मझोले कारोबारों ने परेशान होकर बड़ी संख्या में पलायन शुरू किया। सत्तर का दशक आते-आते मजदूर संगठनों के सिंडिकेट बनने शुरू हुए, जिन्होंने बड़े उद्योगों को हड़तालों और घेराव से परेशान करना शुरू किया। उनके डर से नए पूंजी निवेशकों का आना तो दूर, पहले से जमे बड़े उद्योग घरानों ने भी कोलकाता से अपने कारोबार समेटने शुरू कर दिए।

वैश्विक बदलावों से चूका बंगाल

टाटा और बिड़ला के कारोबारी मुख्यालय मुंबई चले गए और एंबेसडर कार बनाने वाली हिंदुस्तान मोटर्स से लेकर डनलप टायर तक हुगली के किनारे लगे कारखाने एक-एक करके बंद होते गए। सत्तर का दशक दुनिया भर में मजदूर आंदोलनों का दशक था। भारत में कोलकाता ही नहीं, अहमदाबाद और मुंबई के कारखानों के मजदूर भी हड़ताल, घेराव और आंदोलन कर रहे थे। इसी दौर में बंगाल की जनता ने वाम मोर्चे को भारी जनादेश दिया और ज्योति बसु मुख्यमंत्री बने। वे 23 साल मुख्यमंत्री रहे। उनकी और उनके बाद 11 साल तक मुख्यमंत्री रहे बुद्धदेव भट्टाचार्य की सरकारों की प्राथमिकता निजी पूंजी निवेश को बढ़ावा देकर उद्योग और रोजगार पैदा करने और उससे बढ़े राजस्व को सामाजिक न्याय के कार्यों में लगाने के बजाय सरकारी नियंत्रण और पुनर्वितरण की रही।

तृणमूल शासन और उद्योगों का लगातार पलायन

यह वही दौर था, जब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी माओ की सरकारी नियंत्रण और पुनर्वितरण की नीतियों से हुई बबार्दी से सबक सीखकर विदेशी पूंजी निवेश से औद्योगीकरण की तरफ बढ़ रही थी। इसके दस साल बाद सोवियत संघ भी सत्तर साल की सरकारी नियंत्रण और पुनर्वितरण की नीतियों की नाकामी से भंग हुआ और रूस निजी उद्योगों की तरफ बढ़ा, लेकिन देश से एक दिन आगे देखने वाले बंगाल को यह सब दिखाई नहीं दिया। भुगतान संकट से विवश होकर भारत सरकार ने भी 1991 में आर्थिक उदारीकरण की नीतियां अपनाईं, जिनका लाभ उठाकर कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, दिल्ली, गुजरात और हरियाणा जैसे राज्यों ने तेजी से औद्योगीकरण शुरू किया, पर बंगाल के लोग पलायन करते कारोबारों और घटती औसत आय देखकर भी चुनाव-दर-चुनाव उन्हीं सरकारों को चुनते रहे, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को चौपट कर रही थीं।

बढ़ता कर्ज और विकास में बाधाएं

सात बार वाममोर्चा सरकारें चुनने के बाद बंगाल के लोगों ने 2011 में तृणमूल कांग्रेस को जनादेश दिया और ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनीं। यह स्पष्ट नहीं था कि उनकी पार्टी को उद्योगों को आकर्षित करने के लिए जनादेश मिला था या उन्हें राज्य से भगाने के लिए, क्योंकि बंगाल की राजनीति में उनका सिक्का ही टाटा उद्योग समूह को नैनो कार का कारखाना लगाने के लिए सिंगूर में दी गई जमीन के विरोध में भड़के आंदोलन का नेतृत्व करने की वजह से जमा था। ममता के 15 साल लंबे शासनकाल में भी राज्य से उद्योगों का पलायन जारी रहा और लगभग 6800 छोटी-बड़ी कंपनियों ने पलायन किया।

संभावनाओं के बावजूद पिछड़ता बंगाल

बजट का 46 प्रतिशत जनकल्याण योजनाओं और वोट बैंक बनाने के लिए शुरू की गई लाभार्थी योजनाओं पर खर्च हो रहा है, जिसे कर्ज लेकर पूरा किया जाता है। इसलिए बुनियादी ढांचा सुधारने और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार के पास कुछ नहीं बचता। आर्थिक नीतियों में आमूलचूल सुधार किए बिना यह स्थिति बहुत लंबे समय तक नहीं चल सकती। बंगाल की भौगोलिक स्थिति बेजोड़ है। उसके पास देश का सबसे पुराना बंदरगाह है और पूर्वोत्तर भारत के साथ-साथ नेपाल और भूटान का समुद्री व्यापार भी उसी के जरिये होता है।

बदलाव की जरूरत

बंगाल को विकास का इंजन बनाए बिना न पूर्वी भारत का विकास हो सकता है और न ही भारत विकास की सही रफ्तार पकड़ सकता है। बंगाल की प्रगति तब तक नहीं हो सकती जब तक यहां का मतदाता विकास और कानून व्यवस्था को चुनाव का प्रमुख मुद्दा नहीं बनाता। तमिलनाडु और कर्नाटक के औद्योगिक विकास का एक कारण यह भी है कि वहां के मतदाता गलत आर्थिक नीतियों पर चलने वाली सरकारों को हर बार बदल लेते हैं।

आंखनदेखी

ग्वांगह्वामुन स्क्वायर में वसंत सफाई अभियान के दौरान एक कर्मचारी 15वीं सदी के महान कोरियाई राजा सेजोंग महान की कांस्य प्रतिमा को पानी से धो कर साफ करता नजर आया। यह आयोजन शहर की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का प्रतीक है।

अवैध संबंध में हत्या

● खाने के बहाने बुलाकर युवक की हत्या, शव बोरे में भर हाईवे किनारे फेंका

हिंदमाता नेटवर्क @ मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश के सागर जिले में बोरे में मिली युवक की लाश के मामले में पुलिस ने बड़ा और सनसनीखेज खुलासा किया है। शुरूआती तौर पर यह मामला अज्ञात हत्या का लग रहा था, लेकिन गहराई से की गई जांच में सामने आया कि यह हत्या अवैध संबंधों के चलते रची गई एक सुनियोजित साजिश का परिणाम थी। आरोपियों ने बेहद चालाकी से युवक को अपने जाल में फंसाया और फिर उसे मौत के घाट उतार दिया। यह घटना करार्पुर क्षेत्र के पास कानपुर हाईवे स्थित राजा ढाबा के नजदीक की है। 11 अप्रैल की सुबह राहगीरों की नजर सड़क किनारे पड़े एक खून से सने बोरे पर पड़ी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जब बोरे को खोला गया, तो उसमें एक युवक का शव मिला। बाद में मृतक की पहचान 38 वर्षीय महेंद्र अहिरवार, निवासी ग्राम भेड़ा (बंडा) के रूप में की गई।

रहस्य से पर्दा उठना

शुरूआत में यह मामला पूरी तरह रहस्य बना हुआ था। पुलिस के लिए यह चुनौती थी कि आखिर युवक की हत्या किसने और क्यों की। लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, कई अहम सुराग हाथ लगे। कॉल डिटेल, स्थानीय पूछताछ और पारिवारिक संबंधों की पड़ताल के बाद पुलिस को इस हत्याकांड के पीछे की सच्चाई का पता चला। जांच में सामने आया कि महेंद्र अहिरवार के गांव के ही हरिशंकर अहिरवार की पत्नी से उसके अवैध संबंध थे। इस बात को लेकर हरिशंकर और महेंद्र के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। कई बार समझाने और रोकने की कोशिश के बावजूद जब महेंद्र नहीं माना, तो हरिशंकर के मन में उसके प्रति गुस्सा और बदले की भावना बढ़ती चली गई।

साजिश की योजना

पुलिस के अनुसार, इसी गुस्से ने एक खतरनाक साजिश का रूप ले लिया। हरिशंकर ने महेंद्र को रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया और इसके लिए अपने परिवार के सदस्यों को भी शामिल कर लिया। इस साजिश में उसकी पत्नी, बेटा सत्यम और साले भी शामिल हो गए। सभी ने मिलकर हत्या की पूरी योजना बनाई। योजना के तहत 10 अप्रैल की शाम हरिशंकर ने महेंद्र को सागर के राजीव नगर स्थित अपने साले के घर खाने पर बुलाया। ताकि उसे किसी तरह का शक न हो, वहां सामान्य माहौल बनाया गया और पार्टी जैसा वातावरण तैयार किया गया। महेंद्र को यह अंदाजा भी नहीं था कि वह एक सोची-समझी साजिश का शिकार बनने जा रहा है।

हमले की शुरूआत

जैसे ही महेंद्र खाना खाने बैठा, आरोपियों ने अचानक उस पर हमला कर दिया। सबसे पहले कुल्हाड़ी से उसकी कनपटी पर जोरदार वार किया गया, जिससे वह बुरी तरह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद आरोपियों ने उसे संभलने का मौका नहीं दिया और लगातार उसके सिर और चेहरे पर वार करते रहे। हमला इतना क्रूर था कि कुछ ही मिनटों में महेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपियों ने पूरी वारदात को अंजाम देने में कोई कसर नहीं छोड़ी और यह सुनिश्चित किया कि वह बच न सके। इस निर्मम हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया।

शव को ठिकाने लगाने की कोशिश

हत्या के बाद आरोपियों ने सबूत मिटाने के उद्देश्य से शव को बोरे में भरा। इसके बाद एक लोडिंग वाहन की मदद से शव को करार्पुर क्षेत्र में ले जाया गया। 10-11 अप्रैल की दरम्यानी रात करीब 3 से 4 बजे के बीच उन्होंने हाईवे किनारे बोरा फेंक दिया और मौके से फरार हो गए। इस मामले की सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जब पुलिस ने शव बरामद किया, तब मृतक के हाथ में रोटी का टुकड़ा था। इससे साफ हो गया कि महेंद्र की हत्या उसी समय कर दी गई थी, जब वह खाना खा रहा था। यह तथ्य पूरे घटनाक्रम की क्रूरता को दशार्ता है।

आरोपियों की पहचान

पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी हरिशंकर अहिरवार सहित अन्य आरोपियों की पहचान कर ली है। हालांकि, घटना के बाद अधिकांश आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर दबिश देना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी हरिशंकर हर्निया की बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती है। पुलिस उसकी निगरानी कर रही है, ताकि वह वहां से भाग न सके। वहीं उसकी पत्नी, बेटा सत्यम और अन्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

पुलिस का बयान

एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा के अनुसार, यह हत्या अवैध संबंधों के कारण की गई है। सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले में साक्ष्य मजबूत हैं और जल्द ही पूरे मामले का पदार्फाश कर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा। इस सनसनीखेज हत्याकांड ने एक बार फिर समाज के सामने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिश्तों में पनपने वाली दुश्मनी किस हद तक खतरनाक रूप ले सकती है, यह घटना उसका जीता-जागता उदाहरण है। फिलहाल पुलिस तेजी से कार्रवाई कर रही है और उम्मीद है कि जल्द ही सभी आरोपी कानून के शिकंजे में होंगे।

प्रेरक प्रसंग

थॉमस अल्वा एडीसन की सफलता

एक छोटा-सा बच्चा था, जो अपने स्कूल में अक्सर अजीब और उलझे हुए सवाल पूछा करता था। उसकी बातें उसके अध्यापकों को समझ में नहीं आती थीं, इसलिए वे उसे शरारती और असामान्य मानने लगे। एक दिन उसके शिक्षक ने उसे एक पत्र दिया और कहा कि वह कल से स्कूल न आए। बच्चा उदास मन से वह पत्र लेकर घर पहुंचा और अपनी मां को सब कुछ बता दिया। मां ने पत्र पढ़ा, लेकिन बेटे के सामने उसकी सच्चाई नहीं बताई। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि इसमें लिखा है कि मेरा बेटा बहुत ही प्रतिभाशाली है, और इस स्कूल में उसे पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षक नहीं हैं। इसलिए उसे किसी बेहतर जगह पढ़ाया जाए। यह सुनकर बच्चे के मन में आत्मविश्वास जाग उठा। मां ने उसी दिन से घर पर ही उसे पढ़ाना शुरू कर दिया। समय बीतता गया। बच्चा बड़ा होता गया और उसकी जिज्ञासा भी बढ़ती गई। वह हर चीज को समझने और नए-नए प्रयोग करने में लगा रहता। कई बार उसे असफलता भी मिली, लेकिन उसने कभी हार नहीं मानी। उसकी मां हमेशा उसका हौसला बढ़ाती रहीं और उसे विश्वास दिलाती रहीं कि वह कुछ अलग और बड़ा कर सकता है। कुछ वर्षों बाद उसकी मां का निधन हो गया। यह उसके जीवन का सबसे कठिन समय था, लेकिन उसने अपने अंदर की जिज्ञासा और मेहनत को कभी कम नहीं होने दिया। वह लगातार अपने काम में लगा रहा और हजारों प्रयोग करता रहा।

- एक दिन घर की सफाई करते समय उसे वही पुराना पत्र मिला, जो कभी उसके शिक्षक ने दिया था। उसने जब उसे पढ़ा, तो उसकी आंखों में आंसू आ गए। उस पत्र में लिखा था कि आपका बच्चा मंद बुद्धि है, इसलिए उसे स्कूल से निकाला जा रहा है। कृपया उसे किसी मानसिक चिकित्सक को दिखाएं। यह पढ़कर वह भावुक हो गया।
- उसे समझ में आ गया कि उसकी मां ने उसकी कमजोरियों को उसकी ताकत में बदल दिया था। उनकी सकारात्मक सोच और विश्वास ने ही उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। वही बच्चा आगे चलकर महान आविष्कारक थॉमस अल्वा एडीसन बना, जिसने बल्ब जैसे महत्वपूर्ण आविष्कार किए और दुनिया को रोशनी दी। सीख: सच्ची सफलता मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच से ही मिलती है। सही मार्गदर्शन और विश्वास किसी भी इंसान की जिंदगी बदल सकता है।

राशिफल

मेष– उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आत्मसम्मान बना रहेगा।

वृषभ– चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें। प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन– विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क– डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

सिंह– योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी। शत्रुओं का पराभव होगी।

कन्या– कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा।

तुला–बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। घर में तनाव रह सकता है।

वृश्चिक– स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है, लाभ लें। घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा।

धनु– स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

मकर– रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। व्यस्तता रहेगी। घर-बाहर सभी ओर से सफलता तथा प्रसन्नता प्राप्त होगा।

कुंभ– विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी।

मीन–मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। भाग्य अनुकूल रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे।

लोकसभा में होंगी 850 सीटें, महिला आरक्षण के बाद कैसी होगी संसद; आ गई पूरी डिटेल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

महिला आरक्षण लागू होने के बाद लोकसभा के सांसदों की कुल संख्या बढ़कर 850 हो जाएगी। अब तक आई जानकारी के अनुसार यह संख्या 816 तक रहने की बात कही जा रही थी, लेकिन अब यह आंकड़ा 850 होने की चर्चा है। इसके तहत 815 सीटें राज्यों में होंगी। वहीं 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों से आएंगी, जिनमें से अकेले 11 सीट राजधानी दिल्ली में होंगी। वहीं महिलाओं के लिए कम से कम 273 सीटें यानी रिजर्व रखी जाएंगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा में 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इसके अलावा सभी विधानसभाओं में भी ऐसा होगा। अब तक मिली जानकारी के अनुसार 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। वहीं अनुसूचित जाति वर्ग की सीटें 84 से बढ़कर 136 हो जाएंगी। वहीं एसटी सीटों की संख्या 47 से बढ़कर 70 हो सकती है।

■ महिला आरक्षण के संशोधन बिल के ड्राफ्ट में 850 सीटों का प्रस्ताव रखा गया है। यह बिल आज ही सांसदों को दिया जाएगा ताकि वे रिव्यू कर सकें। इस बीच गुरुवार से संसद का विशेष सत्र भी शुरू हो रहा है, जो तीन दिनों तक चलेगा। इस सत्र में महिला आरक्षण में संशोधन बिल रखा जाएगा। इसके तहत 2029 के आम चुनाव में ही महिला आरक्षण को लागू करने की तैयारी है। इसके अलावा सीटों का परिसीमन 2011 की जनगणना के अनुसार किया जाएगा। अब तक मिली जानकारी के अनुसार सीटों का अनुपात लगभग समान ही रहेगा, लेकिन दक्षिणी राज्यों की ओर से मांग उठ रही है कि इसकी गारंटी सरकार की ओर से दी जाए।

खुद पीएम मोदी ने संभाली समर्थन जुटाने की कमान, एक अपील

पीएम नरेंद्र मोदी खुद देश भर में महिला आरक्षण के पक्ष में राय कायम करने के लिए जुटे हैं। उन्होंने 13 अप्रैल को भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं से दिल्ली में बात की थी। इसके बाद आंबेडकर जयंती के मौके पर देश की करोड़ों महिलाओं के नाम उन्होंने खुला खत लिखा था। उन्होंने महिलाओं से अपील की है कि वे अपने इलाके के सांसदों को पत्र लिखें और कहें कि महिला आरक्षण विधेयक का वे समर्थन करें। दरअसल नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 2023 में ही मंजूरी मिली थी। इसके तहत प्रस्ताव था कि 2034 के आम चुनाव से लोकसभा और विधानसभा में महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। हालांकि अब सरकार चाहती है कि इसे 2029 से ही लागू कर दिया जाए।

पहले 2034 में लागू होना था महिला आरक्षण, अब 5 साल पहले

अब यदि अगले ही आम चुनाव से इसे लागू करना है तो उससे पहले सीटों के परिसीमन के लिए प्रक्रिया चलेगी। इस पूरे प्रॉसेस में करीब दो साल का वक्त लग सकता है। ऐसे में सरकार चाहती है कि बिल को जल्दी से मंजूरी दिला दी जाए। वहीं विपक्ष का कहना है कि बंगाल चुनाव में फायदा उठाने के लिए सरकार तेजी दिखा रही है। महिला आरक्षण के लिए सत्र को यदि 29 अप्रैल के बाद बुलाया जाए तो कुछ गलत नहीं होगा। वहीं कुछ दक्षिणी राज्यों के नेताओं ने परिसीमन में अपने क्षेत्र में सीटें कम होने की चिंता भी जाहिर की है।

भाजपा और आरएसएस की 'नफरत भरी सोच' संविधान को खराब कर रही है: राहुल गांधी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस की 'नफरत भरी सोच' संविधान को नष्ट कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी राज्य के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है। रायगंज और मालदा में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने बेरोजगारी भत्ते का वादा किया था जिसके लिए 84 लाख युवाओं ने आवेदन किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पांच लाख लोगों को नौकरियां देने का वादा किया था। लेकिन 84 लाख युवाओं ने बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन किया है।

■ गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए उन पर 'नफरत भरी सोच' से संविधान को नष्ट करने और 'वोट चोरी में लिप्त' होने का आरोप भी लगाया। गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को 'असंवैधानिक' करार दिया और आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस को जहां भी मौका मिलता है, वे संविधान पर हमला करते हैं। उन्होंने भाजपा पर चुनाव जीतने के लिए धर्म और जाति के नाम पर एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने का आरोप लगाया। गांधी ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, एसआईआर के तहत मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए लोगों के नाम बहाल कर दिए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस पूरे देश में भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो भाजपा के खिलाफ मुकाबला कर सकती है और उसे हरा सकती है। गांधी ने पश्चिम बंगाल में बेरोजगारी के लिए तृणमूल को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल ने बंगाल के सभी उद्योगों को बंद कर दिया और सिंडिकेट के जरिए राज्य चला रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने बंगाल के लिए बकाया दो लाख करोड़ रुपए नहीं दिए हैं और मनरेगा के तहत राज्य को कोष से भी वंचित रखा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में तृणमूल भी पीछे नहीं है। शारदा और रोज वैली जैसे पोंजी घोटालों का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि 'तृणमूल सदस्यों द्वारा संचालित सिंडिकेट' भ्रष्टाचार से लाभ उठाते हैं।

■ गांधी ने तृणमूल पर हिंसा में शामिल होने और झूठे वादे करने का भी आरोप लगाया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि इससे छोटे और मध्यम आकार के उद्योग बंद हो जाएंगे और भारत में रोजगार का नुकसान होगा। गांधी ने दावा किया कि विवादित एप्स्टीन फाइलों के 35 लाख दस्तावेज अभी तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं, और इसकी कुंजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री पर हमला बोलते हुए गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नियंत्रण ट्रंप के हाथों में है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दिया है, जिससे उसे भारत में अपनी कृषि उपज बेचने की अनुमति मिल गई है। एक समय कांग्रेस के गढ़ रहे मालदा में रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि भारत का कृषि क्षेत्र तबाह हो जाएगा। मोदी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में भारत को बेच दिया। वह देशभक्त नहीं, देशद्रोही हैं।

■ कांग्रेस नेता ने मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर वाशिंगटन के दबाव के आगे झुककर भारत की ऊर्जा सुरक्षा को अमेरिका के हवाले करने का भी आरोप लगाया। गांधी ने कहा कि डेटा सुरक्षा सर्वोपरि है क्योंकि किसी देश की ताकत इसी पर टिकी होती है। उन्होंने केंद्र सरकार पर भारत का डेटा अमेरिका को सौंपने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर नुकसान पहुंचा है। गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अमेरिका को 95 लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी सामान सुनामी की तरह भारत में आ जाए, तो हमारे देश के छोटे और मध्यम आकार के कारखाने बंद हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे बंगाल को दोहरा नुकसान होगा क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही राज्य में उद्योगों को बंद कर चुकी हैं।

सीएम बनते ही कर्पूरी ठाकुर से बराबरी कर लेंगे सम्राट चौधरी!

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी राज्य में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पहले मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट को लगातार तीसरी बार नेता चुना गया है। सम्राट के नेतृत्व में एनडीए की नई सरकार 15 अप्रैल को शपथ लेगी। सम्राट चौधरी कल सीएम बनते ही अपशकुनी मान्यता से जुड़ा 56 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जो यह धारणा बनाता था कि जो डिप्टी सीएम बनता है, वो कभी मुख्यमंत्री नहीं बना पाता। सम्राट चौधरी इसी के साथ समाजवादी नेता भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की बराबरी भी कर लेंगे, क्योंकि कर्पूरी ही वो आखिरी डिप्टी सीएम हैं, जिन्हें 56 साल पहले पहली बार सीएम बनने का मौका मिला था।

■ बिहार में कपूरी ठाकुर के बाद 56 साल से कोई उप-मुख्यमंत्री कभी मुख्यमंत्री की कुर्सी तक नहीं पहुंच पाया। कपूरी ठाकुर 1967 में पहली बार सोशलिस्ट पार्टी की महामाया प्रसाद सिन्हा सरकार में डिप्टी सीएम बने थे। लगभग एक साल तक वह उप-मुख्यमंत्री पद पर रहे। 1970 में कपूरी ठाकुर पहली बार सीएम बने और सरकार लगभग छह महीने चली। इमरजेंसी के बाद हुए चुनाव में जनता पार्टी की सरकार बनी तो कपूरी 1977 में दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। इस बार कपूरी की सरकार 2 साल से कुछ कम समय तक चली।

■ बिहार में भाजपा के संस्थापक नेताओं में रहे सुशील मोदी कई बार नीतीश सरकार में डिप्टी सीएम बने, लेकिन कभी सीएम नहीं बन पाए। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव भी दो बार डिप्टी सीएम बने, लेकिन मुख्यमंत्री नहीं बन पा रहे हैं। सम्राट चौधरी दो बार डिप्टी सीएम बनने के बाद प्रमोशन की लंबी छलांग मारकर सीएम बनने जा रहे हैं। सम्राट चौधरी अब तक तीन बार भाजपा विधायक दल का नेता चुने गए हैं। पहली दो बार वो डिप्टी सीएम बने। नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद भाजपा को सरकार का नेतृत्व करना है, इसलिए अब बीजेपी विधायक दल का नेता ही एनडीए का नेता और मुख्यमंत्री होगा। बिहार में भाजपा के नेतृत्व में यह पहली एनडीए सरकार होगी।

2030 तक का इंतजाम कर जा रहा हूं : नीतीश कुमार

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

20 साल तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है। इस्तीफा के बाद बेहद ही शालीनता के साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर बिहारवासियों को अपना संदेश दिया। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि आप जानते हैं कि 24 नवंबर, 2005 को राज्य में पहली बार एनडीए सरकार बनी थी। तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार विकास के कार्यों में लगे हुए हैं। सरकार ने शुरू से ही सभी वर्गों का विकास किया है, चाहे हिंदू हों, मुस्लिम हों, उच्च वर्ग हो, पिछड़ा वर्ग हो, अति पिछड़ा वर्ग हो, दलित हों या महादलित सभी के लिए काम किया गया है। हर क्षेत्र में कार्य हुआ है, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो या कृषि। महिलाओं एवं युवाओं के लिए भी अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

बिहार और अधिक तेजी से विकसित होगा

नीतीश कुमार ने कहा कि हाल के दिनों में विकास कार्यों को और आगे बढ़ाया गया है। अगले पांच वर्षों, अर्थात 2025 से 2030 तक के लिए 'सात निश्चय-3' का गठन किया गया है। इससे विकास कार्यों को और गति मिलेगी और बिहार तेजी से आगे बढ़ेगा। बिहार के विकास में केंद्र सरकार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को नमन है। बिहार और अधिक तेजी से विकसित होगा, देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा तथा देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

हमने बिहार के लोगों के लिए बहुत काम किया है

■ जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि हमने बिहार के लोगों के लिए बहुत काम किया है और लंबे समय से निरंतर उनकी सेवा की है। हमने पहले ही तय किया था कि अब मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे। इसी क्रम में आज मंत्रिमंडल की बैठक के बाद माननीय राज्यपाल से मिलकर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। अब नई सरकार राज्य का कार्यभार संभालेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन रहेगा। आगे भी अच्छा काम होगा और बिहार निरंतर प्रगति करता रहेगा। बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।

जातिगत भेदभाव खत्म होने तक आरक्षण रहना चाहिए: आलोक कुमार

हिंदमाता नेटवर्क @ इंदौर

संविधान निर्माता डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती पर उनकी जन्मस्थली महू में विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने मंगलवार को सीएम मोहन यादव की मौजूदगी में कहा कि आरक्षण व्यवस्था तब तक जारी रहनी चाहिए, जब तक समाज में जातिगत भेदभाव का जरा भी अंश मौजूद है। संविधान को 'वर्तमान युग की स्मृति' बताते हुए उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी ग्रंथ में लिखी कोई भी बात, जो सभी मनुष्यों की समानता के विरुद्ध हो, उसे अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए। 'स्मृति' उन ग्रंथों को कहते हैं, जो विद्वानों द्वारा समाज के लिए बनाए गए नियमों और विनियमों पर आधारित होते हैं। व्हीएचपी के एक कार्यक्रम के दौरान, कुमार ने संतों और ऋषियों द्वारा पारित एक पुराने प्रस्ताव का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि सभी मनुष्य समान हैं और 'ऊंच-नीच' या 'छूत-अछूत' के आधार पर किया जाने वाला सामाजिक भेदभाव भारतीय आध्यात्मिकता का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि जाति के आधार पर होने वाला अन्याय, भले ही वह एक ही घटना क्यों न हो, पूरे देश के लिए शर्म की बात है।

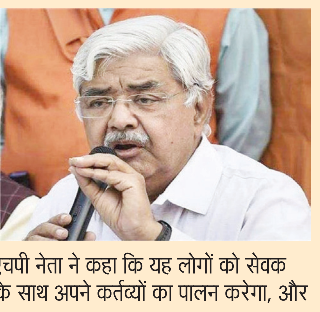

■ सरकारी शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में जाति-आधारित आरक्षण व्यवस्था का ज़िक्र करते हुए कुमार ने कहा कि हमारा मानना है कि यह आरक्षण एक प्रायश्चित है, और जब तक जरा भी भेदभाव मौजूद है, तब तक आरक्षण जरूरी है। इसे (आरक्षण व्यवस्था को) जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक समाज का एक बड़ा तबका आर्थिक रूप से कमजोर रहेगा और शिक्षा, उद्योग तथा व्यापार के क्षेत्रों में पीछे रहेगा, तब तक समानता हासिल नहीं हो पाएगी। कुमार ने कहा कि देश की अगली लड़ाई यह सुनिश्चित करना है कि अनुसूचित जातियों को शिक्षा, कौशल और रोजगार के क्षेत्रों में समान अधिकार मिलें। व्हीएचपी नेता ने कहा कि यह लोगों को सेवक बनाने के बजाय समृद्ध बनाने की लड़ाई है। इसमें समाज पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करेगा, और सरकार अपनी ज़िम्मेदारी निभा रही है।

■ कुमार ने इस समारोह में देश के प्राचीन धार्मिक ग्रंथ 'मनुस्मृति' का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग समय पर अलग-अलग 'स्मृतियां' लिखी गई हैं, और कुछ लोग मनुस्मृति तथा अन्य ग्रंथों का भी हवाला देते हैं। वर्तमान युग में, जिस 'स्मृति' का हम सभी को पालन करना चाहिए और जिसके अनुसार अपना जीवन जीना चाहिए, वह भारत का संविधान है। इसमें जो कुछ भी लिखा है, वह स्वीकार्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी ग्रंथ में लिखी ऐसी कोई भी बात, जो सभी मनुष्यों की समानता के विरुद्ध हो, उसे अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए। सामाजिक एकता और समानता के क्षेत्र में डॉ. बी. आर. अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कुमार ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में 'बंधुत्व' शब्द उन्हीं की पहल पर जोड़ा गया था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद, संविधान के लागू होने के साथ ही राजनीतिक समानता तो हासिल हो गई और हर नागरिक को वोट देने का अधिकार भी मिल गया, लेकिन सामाजिक समानता की लड़ाई अभी पूरी नहीं हुई है।

ईरान ने कहा- शुक्रिया... भारतीयों जैसा सच्चा दिल कहीं नहीं

■ उन्होंने यह भी बताया कि हाल के समय में भारत और ईरान के नेताओं के बीच कई बार बातचीत हुई है, जो काफी सफल रही है। उनके अनुसार, इन वार्ताओं से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत हुए हैं और आने वाले समय में यह सहयोग और बढ़ेगा। इलाही ने उम्मीद जताई कि भारत और ईरान भविष्य में भी अलग-अलग क्षेत्रों—जैसे अर्थव्यवस्था, शिक्षा और संस्कृति में मिलकर काम करेंगे। इस बीच, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय तनाव के बावजूद Strait of Hormuz से भारतीय जहाजों की आवाजाही जारी है। भारतीय LPG MX`alYSX "Jag Vikram" समेत कई जहाज सुरक्षित इस रास्ते को पार कर चुके हैं, जो दोनों देशों के मजबूत संबंधों का संकेत देता है। कुल मिलाकर, जहां एक ओर वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ रहा है, वहीं भारत और ईरान के रिश्ते स्थिर और मजबूत बने हुए हैं।

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान के सर्वोच्च नेता के भारत में प्रतिनिधि Abdul Majid Hakeem Ilahi ने भारतीयों की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत के लोग बेहद दयालु, ईमानदार और इंसानियत से भरे हुए हैं, और उन्हें यहां जितना सम्मान और भावनात्मक समर्थन मिला, वह कहीं और देखने को नहीं मिलता। यह बयान अयोध्या में आयोजित 'याद-ए-शोहदा' कार्यक्रम के दौरान दिया गया, जो Imambara Jawahar Ali Khan में शिया समुदाय की भागीदारी के साथ आयोजित हुआ था। इलाही ने कहा कि भारत और ईरान के रिश्ते हजारों साल पुराने हैं और यह सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और मानवीय मूल्यों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच 5000 साल पुरानी सभ्यतागत जुड़ाव आज भी कायम है।

यूरोप ने ईरान के खिलाफ खोला मोर्चा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

खाड़ी देशों के दौरे के दौरान यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा (Antanio Costa) ने ईरान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया और कहा कि यूरोप, यूएई, सऊदी अरब और कतर जैसे अपने साझेदार देशों के साथ पूरी एकजुटता में खड़ा है। कोस्टा ने ईरान के हमलों को 'अंधाधुंध, अनुचित और अवैध' बताते हुए कहा कि ऐसे समय में यूरोप अपने सहयोगियों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए बातचीत और कूटनीति बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि खाड़ी देशों के लिए यूरोप एक भरोसेमंद साझेदार है और वह मिडिल ईस्ट में स्थायी शांति के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है।

बंगाल को विभाजित किए बिना गोरखा समस्या का संवैधानिक रूप से समाधान करेंगे: अमित शाह

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल का विभाजन किए बिना संवैधानिक तरीके से दार्जिलिंग पहाड़ियों में निवास करने वाले गोरखा समुदाय के मुद्दे का समाधान करेगी। अमित शाह ने उत्तरी बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के 'एजेंट' हैं और वह उनकी सहमति से बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मुर्शिदाबाद में मस्जिद का निर्माण कर रहे हैं।

■ उन्होंने कहा कि भाजपा मस्जिद के निर्माण की अनुमति नहीं देगी। शाह ने वादा किया कि पश्चिम बंगाल से अन्य राज्यों को आलू की आपूर्ति करने की अनुमति दी जाएगी ताकि यहां के किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा, सिंडिकेट राज का खात्मा किया जाएगा और घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा। शाह ने पार्टी के घोषणापत्र में किए गए वादों को भी दोहराया कि उत्तरी बंगाल में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), 600 बिस्तर के कैंसर अस्पताल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), भारतीय प्रबंधन संस्थान (IMM) और खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजबंशी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाएगा और दार्जिलिंग में एक पारिस्थितिकी अनुकूल रोमांचक खेल केंद्र की स्थापना की जाएगी।

हिंदमाता एंकर: एक महिला को कथित प्रेम प्रसंग के आरोप में अमानवीय सजा दी गई...

पहले महिला का मुंडन किया फिर पति को कंधे पर बैठाकर घुमाया

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के झाबुआ से सभ्य समाज को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। ये मामला ऐसा है कि किसी के भी रौंगटे खड़े कर दे। यहां पर एक आदिवासी महिला को रुह कंपा देने वाली सजा दी गई। यहां एक महिला को कथित प्रेम प्रसंग के आरोप में अमानवीय सजा दी गई।

महिला का मुंडन करके पति को उसके कंधे पर बैठाकर पूरे गांव में घुमाया

पहले तो महिला का मुंडन किया गया फिर पति को उसके कंधे पर बैठाकर पूरे गांव में घुमाया गया...मानवता और संवेदना को तार-तार कर देने वाले इस मामले में महिला के साथ ये कृत्य किसी और ने नहीं बल्कि उसके पति और घरवालों ने किया है। सबसे बड़ी शर्म की बात ये रही कि वहां पर मौजूद लोगों की भीड़ तमाशा देखती रही और वीडियो बनाती रही लेकिन किसी ने महिला के साथ हो रहे पाप को रोकने की कोशिश नहीं की..

महिला मर्यादा और मानवता को शर्मसार करने वाली घटना

ये सनसनीखेज मामला काकनवानी थाना क्षेत्र के ग्राम बालवासा से सामने आया है। यहां एक महिला को कथित आरोपों के आधार पर उसके ही पति और अन्य लोगों द्वारा सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया। इस घटना ने न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी बडे सवाल पैदा कर दिए। महिला का जबरन मुंडन कराके उसके बाल काट दिए गए. अमानवीयता की सारी हदें पार करते हुए उसके पति को महिला के कंधे पर बैठाकर पूरे गांव में घुमाया गया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे।

10 आरोपियों के खिलाफ नामजद प्रकरण, 4 गिरफ्तार

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है की। काकनवानी थाना पुलिस ने इस मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ नामजद प्रकरण दर्ज किया है, वहीं 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में सूर्या पिता रसिया डामोर ग्राम पलाशडोर, जबकी दिलीप पिता बाबू भूरिया, बाबू भूरिया पिता गोवर्धन और शैलेश पिता परथिग भूरिया ग्राम बालवासा के रहने वाले हैं। लिहाजा इस सनसनीखेज घटना के बाद महिला सुरक्षा और कानून पर सवाल उठ रहे हैं। एक महिला के बाल काटना और फिर मुंडन करके पति को उसके कंधे पर बैठाकर सारे गांव में घुमाना कई गंभीर सवालों के साथ ही महिला के चीरहरण को भी बयान कर रहा है।

इस क्षेत्र में पहले भी मानवता हो चुकी शर्मसार

गौरतलब है कि इस क्षेत्र में इस तरह की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले ग्राम देवीगढ़ पंचायत में भी महिला के साथ इसी प्रकार की अमानवीय घटना सामने आई थी, जिसमें कई आरोपियों को जेल की हवा खानी पड़ी थी। इसके बावजूद इस तरह की घटनाओं का दोहराया जाना प्रशासन और समाज दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

20 हजार सैलरी की डिमांड पर अड़े कर्मचारी

फैक्ट्रियों में नहीं पहुंचे काम करने

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा में मंगलवार को भी प्राइवेट कंपनियों के कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान उनकी पुलिसकर्मियों के साथ झड़प भी हो गई। जिसके बाद पुलिस ने हल्का बल भी प्रयोग किया। सोमवार को जहां उग्र प्रदर्शन और तोड़फोड़ के बाद यूपी सरकार ने देर रात न्यूनतम मजदूरी दरों में बढ़ोतरी कर दी है। बावजूद इसके प्राइवेट कर्मचारी संतुष्ट नहीं हैं। उनकी मांग है कि 11 हजार में दम नहीं है, न्यूनतम मजदूरी 20 हजार से कम नहीं होनी चाहिए। क्योंकि 20 हजार रुपये से कम में खुद का और परिवार का पेट पालना मुश्किल है। नोएडा फेस 2 में कर्मचारियों के प्रोटेस्ट का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें वे नारे लगा रहे हैं और कह रहे हैं कि 11 हजार में दम नहीं और 20 हजार से कम नहीं। आपको बता दें कि भारी विरोध कर्मचारी उत्तर प्रदेश सरकार ने मजदूरी दरों में बढ़ोतरी करने का आदेश दिया था। नए आदेश 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। अलग-अलग श्रेणियां में अधिकतम करीब 3000 तक इजाफा हुआ है। यह तात्कालिक फैसला है, आगे व्यापक समीक्षा के बाद वेज बोर्ड के माध्यम से स्थाई समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

फैक्ट्रियों में काम करने नहीं पहुंचे मजदूर

प्राइवेट कर्मचारियों का कहना है कि बढ़ती महंगाई और जीवन–यापन की लागत के कारण वर्तमान वेतन में गुजारा करना मुश्किल हो गया है। उनका दावा है कि अन्य औद्योगिक इकाइयों में समान कार्य के लिए अधिक सैलरी दी जा रही है। जिससे वे खुद को असमान स्थिति में महसूस कर रहे हैं। वहीं, कुछ श्रमिक संगठनों ने भी कर्मचारियों के समर्थन में आवाज उठाई है और उचित वेतन निर्धारण की मांग की है। हालांकि फैक्ट्री प्रबंधन का कहना है कि अचानक इतनी बड़ी वेतन वृद्धि संभव नहीं है, क्योंकि इससे उत्पादन लागत पर सीधा असर पड़ेगा। प्रबंधन ने संकेत दिया है कि वे कर्मचारियों से बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन किसी भी निर्णय के लिए समय की आवश्यकता होगी।

प्रदर्शन के चलते उत्पादन हुआ ठग

इस विवाद के कारण कई फैक्ट्रियों में उत्पादन ठप हो गया है, जिससे आपूर्ति पर भी असर पड़ने की आशंका है। स्थानीय प्रशासन और श्रम विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों से बातचीत कर समाधान निकालने की पहल शुरू कर दी है। हालांकि अभी भी यह विवाद सुलझा नहीं है। वहीं नोएडा में सोमवार को हुए हिंसा के मामले में अब तक 350 को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों को जेल भी भेज दिया गया है। वहीं प्रदर्शन में शामिल कई को हिरासत में लेकर भी पूछताछ की जा रही है। वबाल करने वाले अन्य की सीसीटीवी से पहचान की जा रही है।

BJP कार्यकर्ता की पिटाई पर भड़के विधायक

रात में घेर लिया थाना

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

अयोध्या के कुमारगंज थाने में सोमवार देर रात भाजपा कार्यकर्ता हरिकिशन पांडेय की पुलिसकर्मियों द्वारा कथित पिटाई के विरोध में मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने समर्थकों संग जमकर हंगामा किया। यह घटना तब हुई जब हरिकिशन ने पेट्रोल पंप पर चाबी खो जाने पर सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मियों से मदद मांगी, जिसके बाद विवाद मारपीट में बदल गया। पुलिस पर आरोप है कि उन्होंने कार्यकर्ता को पहले बाजार और फिर थाने के अंदर बेरहमी से पीटा। विधायक ने आरोपी दरोगा और तीन सिपाहियों के खिलाफ एफआईआर और तत्काल सस्पेंशन की मांग पर अड़ते हुए थाने का घेराव किया।

मदद मांगने पर मिली बेरहमी से पिटाई!

पीड़ित हरिकिशन पांडेय पूरे चूड़ामणि पांडेय गांव के निवासी हैं। आरोप है कि वह पेट्रोल पंप पर गाड़ी में तेल भरवाने गए थे, जहां चाबी की समस्या होने पर उन्होंने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से बात की। इसी दौरान विवाद शुरू हुआ और आरोप है कि वर्दीधारियों ने अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए कार्यकर्ता को बुरी तरह पीटा। घटना की खबर मिलते ही समर्थकों का गुस्सा फूट पड़ा और वे बड़ी संख्या में थाने पहुंच गए।

विधायक का अल्टीमेटम: FIR और सस्पेंशन से कम कुछ नहीं

विधायक चंद्रभानु पासवान ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने मौके पर पहुंचकर साफ कर दिया कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज नहीं होता और उन्हें सस्पेंड नहीं किया जाता, विरोध खत्म नहीं होगा। देर रात तक थाने के बाहर नारेबाजी होती रही, जिससे प्रशासन के हाथ–पांव फूल गए। पीड़ित के पिता संतोष पांडेय ने भी चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ लिखित तहरीर दी है।

प्रशासनिक अलर्ट और जांच का आश्वासन

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी (CO) मिल्कीपुर पीयूष ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। उन्होंने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

बीजेपी बूथ अध्यक्ष को घर से उठा मारी गोली

आजमगढ़ एनकाउंटर को एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया फर्जी

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

आजमगढ़ के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के चकलालचंद गांव में 28 मार्च को पुलिस और अभिषेक सिंह उर्फ धर्मेंद्र सिंह के बीच कथित मुठभेड़ हुई। MLC देवेंद्र प्रताप सिंह ने सोमवार को पीड़ित के घर पहुंचकर आरोप लगाया कि पुलिस ने भाजपा के बूथ अध्यक्ष अभिषेक को दिनदहाड़े घर से घसीटते हुए उठाया था। पुलिस ने अभिषेक को कई स्थानों पर घुमाने के बाद शाम को आंखों पर पट्टी बांधकर फर्जी एनकाउंटर को अंजाम दिया। अज्ञात के खिलाफ 26 मार्च को दर्ज प्राथमिकी के बाद पुलिस ने 28 मार्च को यह कार्रवाई की और घायल अवस्था में दिखाकर फर्जी बरामदगी का मुकदमा दर्ज कर दिया।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए तीखे सवाल

MLC देवेंद्र प्रताप सिंह ने आजमगढ़ पुलिस की भूमिका को संदिग्ध बताते हुए इसे एक 'आपराधिक कृत्य' करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज को सोची–समझी साजिश के तहत नष्ट कर दिया गया है। MLC ने सीधे तौर पर पुलिस अधीक्षक पर भी सवाल उठाए और कहा कि अब तक किसी भी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई न होना विभाग की संलिप्तता को दर्शाता है।

सदन से सड़क तक आंदोलन की चेतावनी

इस मामले में एमएलसी ने मांग की है कि शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे इस लड़ाई को सदन से लेकर सड़क तक लड़ेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री, डीजीपी और केंद्रीय गृह मंत्री से भी गुहार लगाई है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए। पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान एमएलसी ने उन्हें हर संभव न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।

दिल्ली से हिमाचल अब सिर्फ 3.5 घंटे में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से कम हुई इतनी दूरी

पहले लगते थे 7 घंटे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आज का दिन उत्तर भारत की कनेक्टिविटी के लिए ऐतिहासिक साबित होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहारनपुर में भव्य रोड शो के बाद बहुप्रतीक्षित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का विधिवत लोकार्पण करेंगे। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से न केवल दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी सिमट जाएगी। बल्कि ये एक्सप्रेसवे हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक शहर पांवटा साहिब जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह किसी वरदान से कम नहीं है। दिल्ली से हिमाचल के सबसे नजदीकी पर्यटन और औद्योगिक केंद्र पांवटा साहिब पहुंचने में अब तक 6 से 7 घंटे का समय लगता था। लेकिन इस नए एक्सप्रेसवे और पांवटा साहिब-बल्लूपुर (NH-07) फोरलेन परियोजना के जुड़ जाने से समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं।

एक्सप्रेसवे का रूट मैप और एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स

यह कॉरिडोर दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से शुरू होता है। गीता कॉलोनी से इसका एलिवेटेड हिस्सा शुरू होकर शास्त्री पार्क, खजूरी खास और मंडोला होते हुए बागपत की सीमा में प्रवेश करता है। प्रमुख इंटरचेंज– खेकड़ा (बागपत), लोहड्डा (बड़ौत), करौंदा महाजन (शामली) और हल्गोया (सहारनपुर) हैं। दिल्ली में 5 और उत्तर प्रदेश में 11 एंट्री–एग्जिट पॉइंट्स दिए गए हैं, जिससे स्थानीय यात्रियों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी।

जेब पर कितना पड़ेगा असर?

दिल्ली से काठा (बागपत) 235 रुपये, 24 घंटे में वापस आने पर 350 रुपये टोल टैक्स लगेगा। वहीं, दिल्ली से रसूलपुर (सहारनपुर) 420 रुपये और एक दिन में वापसी पर 630 रुपये टोल लगेंगे। दिल्ली से सैयद माजरा (सहारनपुर) एक तरफ टोल दर 530 रुपये है। 24 घंटे में वापसी पर 790 रुपये लगेंगे। वहीं, दिल्ली से देहरादून तक टोल टैक्स की दर 675 रुपये निर्धारित की गई है। अगर आप एक दिन के अंदर वापस लौटते हैं तो आपको टोल टैक्स 1010 रुपये लगेंगे।

क्या होगी स्पीड लिमिट?

एक्सप्रेसवे को आधुनिक तकनीक से बनाया गया है, लेकिन सुरक्षा के कड़े मानक तय किए गए हैं। प्राइवेट कार– अधिकतम 100–120 किमी/घंटा की गति से ढाई घंटे में सफर पूरा कर सकेंगी। कॉमर्शियल वाहन– स्पीड गवर्नर के कारण 80 किमी/घंटा की लिमिट रहेगी, जिससे उन्हें करीब 3 घंटे लगेंगे। वाइल्डलाइफ कॉरिडोर– राजाजी नेशनल पार्क क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए एशिया का सबसे बड़ा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया गया है, जहां हॉर्न बजाना सख्त मना है।

चंदौली से गायब हुए एक ही परिवार के 3 बच्चे

स्कूल जाने के बाद लौटे ही नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ चंदौली

उत्तर प्रदेश के चंदौली से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां पढ़ने के लिए स्कूल गए एक ही परिवार के तीन बच्चे स्कूल से घर वापस नहीं लौटे। पहले तो परिजनों ने खुद ही इन बच्चों को ढूंढने की काफी कोशिश की लेकिन, जब 24 घंटे बाद भी इन बच्चों की जानकारी नहीं मिली तो थक हार कर थाने पहुंचे और पुलिस में लापता हो जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई। लापता हुए बच्चों में दो लड़के सगे भाई हैं। जबकि 14 साल की एक लड़की उनकी मौसेरी बहन है। उधर पुलिस इस मामले में जांच पड़ताल कर रही है और बच्चों की तलाश के लिए कई टीमों को लगाया गया है। दरअसल चंदौली के मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के सर्कस रोड मोहल्ले के रहने वाले आबिद सिद्दकी के सात साल और पांच साल उम्र के दो लड़के और उनके साढ़ू नवाब सिद्दीकी की 14 साल की बेटी कल यानी कि सोमवार को मोहल्ले में ही स्थित एक कान्वेंट स्कूल में पढ़ने के लिए गए थे।

बच्चों के लापता होने से परिवार है परेशान

तीनों बच्चों के लापता होने की खबर मिलते ही परिवार के लोग परेशान हो गए। पहले तो परिजनों ने खुद ही बच्चों को खोजने की कोशिश की लेकिन जब लापता हुए इन तीनों बच्चों का कहीं आता–पिता नहीं चला तो थक हार कर मुगलसराय कोतवाली पहुंचे। इसके बाद बच्चों के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उधर पुलिस को जैसे ही जानकारी मिली कि कोतवाली क्षेत्र से तीन बच्चे लापता हो गए हैं तो पुलिस तत्काल एक्शन में आ गई। डिप्टी एसपी के नेतृत्व में पुलिस की कई टीमें इन बच्चों की तलाश में लगा दी गई है।

डिप्टी एसपी ने क्या कहा?

डिप्टी एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया एक ही परिवार के तीन बच्चों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। इस मामले में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है और बच्चों की तलाशी के लिए कई टीमों का गठन कर दिया गया है। बच्चों को रिकवर करने के प्रयास जारी हैं।

नोएडा बवाल से ठीक पहले बने कई व्हाट्सएप ग्रुप

मैसेज करने वालों की हुई पहचान

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर शुरू हुआ कर्मचारियों का आंदोलन मंगलवार को भी जारी रहा। कई इलाकों में पुलिस पर पथराव की घटनाएं सामने आईं है। हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थिति को काबू में लेने का दावा किया है। पुलिस का दावा है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे सुनियोजित साजिश हुई है। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे तस्वीर और साफ होती जा रही है। पुलिस के मुताबिक, बवाल से ठीक पहले सोशल मीडिया पर एक्टिविटी अचानक बढ़ी और कई नए व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए। इन ग्रुप्स के जरिए कर्मचारियों को जोड़ने और उन्हें एकजुट करने की कोशिश की गई। गौतम बुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मुताबिक, पिछले दो दिनों में बड़ी संख्या में व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए, जिनमें क्यूआर कोड स्कैन कर कर्मचारियों को जोड़ा जा रहा था। यह तरीका आमतौर पर संगठित नेटवर्क इस्तेमाल करते हैं। जहां कम समय में बड़ी संख्या में लोगों को एक प्लेटफॉर्म पर लाया जाता है। पुलिस को शक है कि इस पूरी गतिविधि के पीछे एक संगठित और सुनियोजित सिंडिकेट सक्रिय हो सकता है।

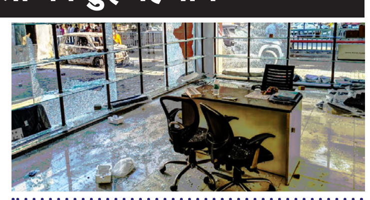

300 से ज्यादा हिरासत में, 7 एफआईआर दर्ज

पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, हिंसक प्रदर्शन के मामले में अब तक 300 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है और सात एफआईआर दर्ज की गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह संख्या आगे और बढ़ सकती है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बताया कि जिन लोगों ने भीड़ को भड़काने या हिंसा फैलाने में भूमिका निभाई, उनकी पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी साफ किया कि आगे और गिरफ्तारियां होंगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

फंडिंग एंगल भी जांच के दायरे में

इस मामले में फंडिंग की भी जांच हो रही है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि क्या इस पूरे आंदोलन को कहीं से आर्थिक मदद मिल रही थी। लक्ष्मी सिंह के मुताबिक, अगर जांच में यह सामने आता है कि आरोपियों को राज्य के बाहर या देश के बाहर से फंडिंग मिली है, तो उस आधार पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घर आए रिश्तेदार के पास 2 लाख देख डोला ईमान

उठाया खौफनाक कदम

हिंदमाता नेटवर्क @ बिजनौर

बिजनौर के नूरपुर निवासी व्यापारी इसरार अली की उनके रिश्तेदार आशु सिद्दीकी ने दो दोस्तों शाहनवाज और जाबिर के साथ मिलकर 8 फरवरी को गला घोंटकर हत्या कर दी। इस वारदात को आशु ने इसरार के पास मौजूद दो लाख रुपये हड़पने के लिए अंजाम दिया। आरोपियों ने शव को नूरपुर की दौलतपुर चौकी के पास पोशाक नहर की झाड़ियों में फेंक कर पेट्रोल से जला दिया ताकि पहचान न हो सके। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन और सीडीआर के आधार पर जांच करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने नहर किनारे से इसरार का जला हुआ कंकाल बरामद किया, जिसकी पहचान परिजनों ने हाथ के ब्रेसलेट से की।

कंकाल और ब्रेसलेट से खुला राज

इसरार के लापता होने के बाद 8 मार्च को उसके भाई अफसर अली ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में पता चला कि इसरार आखिरी बार आशु के घर गया था।कड़ाई से पूछताछ में आशु ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस को मौके से नरकंकाल के साथ वह केन भी मिली है जिससे पेट्रोल लाया गया था। इसके अलावा मृतक के दो मोबाइल भी बरामद किए गए हैं।

मुख्य आरोपी है क्षेत्र पंचायत सदस्य

हैरानी की बात यह है कि हत्याकांड का मास्टरमाइंड आशु सिद्दीकी क्षेत्र पंचायत सदस्य भी है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने मामले की तह तक जाकर सभी सबूतों को इकट्ठा कर लिया है ताकि दोषियों को सख्त सजा दिलाई जा सके।

पैसों के लालच ने बनाया कातिल

एसपी पूर्वी अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक इसरार अली अपने रिश्तेदार आशु सिद्दीकी के पास दो लाख रुपये लेकर गया था। इतनी बड़ी रकम देखकर आशु की नीयत बिगड़ गई। उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और इसरार को गाड़ी में बिठाकर ले गया। रास्ते में गला घोंटने के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए शव को पेट्रोल डालकर जला दिया गया।

हिंदमाता एंकर: आंकड़ों के मुताबिक करीब 150 वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया, इनमें लगभग 100 चार पहिया वाहन शामिल हैं, जिनमें कार और कुछ छोटे कमर्शियल वाहन भी हैं

नोएडा में मजदूरों का उग्र आंदोलन, अब तक कितना हुआ नुकसान?

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा में श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन ने शहर को गहरे नुकसान की स्थिति में ला खड़ा कर दिया है। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर शुरू हुआ यह आंदोलन देखते ही देखते हिंसक रूप ले बैठा, जिसके चलते न सिर्फ कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई, बल्कि औद्योगिक गतिविधियों पर भी गंभीर असर पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम में बड़ी संख्या में वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया और सैकड़ों फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं। प्रदर्शन के दौरान सबसे ज्यादा असर सड़कों पर खड़े और गुजर रहे वाहनों पर देखने को मिला। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक करीब 150 वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। इनमें लगभग 100 चार पहिया वाहन शामिल हैं, जिनमें कार और कुछ छोटे कमर्शियल वाहन भी हैं। वहीं करीब 50 दोपहिया वाहनों को भी भीड़ ने निशाना बनाया। कई जगहों पर वाहनों में आग लगा दी गई, जिससे वे पूरी तरह जलकर खाक हो गए। वहीं कई वाहनों के शीशे तोड़ दिए गए, बॉडी को नुकसान पहुंचाया गया और उन्हें पलट दिया गया। इस तरह की घटनाओं से आम लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

300 से ज्यादा फैक्ट्रियों में तोड़फोड़

इस हिंसा का सबसे बड़ा असर औद्योगिक क्षेत्र पर पड़ा। जानकारी के मुताबिक करीब 300 फैक्ट्रियों और औद्योगिक इकाइयों में तोड़फोड़ की गई। कई जगह प्रदर्शनकारियों ने फैक्ट्री गेट तोड़े, ऑफिस के शीशे फोड़े और अंदर घुसकर मशीनों व अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया। कुछ जगहों पर शोरूम और सर्विस सेंटर भी निशाने पर रहे, जहां खड़ी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। इससे उद्योगपतियों और व्यापारियों को भारी आर्थिक झटका लगा है। इतने बड़े पैमाने पर हुई तोड़फोड़ और आगजनी को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि हिंसा में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। फैक्ट्रियों के इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और स्टॉक को जो नुकसान पहुंचा है, उसका आकलन अभी किया जा रहा है, लेकिन शुरुआती रिपोर्ट्स इसे बेहद गंभीर आर्थिक क्षति बता रही हैं।

कहां–कहां हुआ सबसे ज्यादा नुकसान?

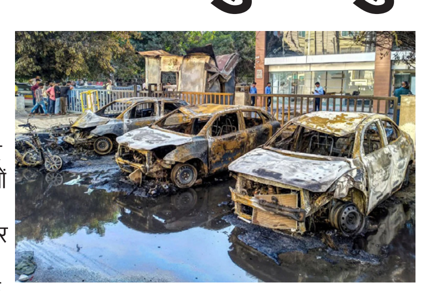

नोएडा के कई औद्योगिक क्षेत्र इस हिंसा से प्रभावित हुए। खासतौर पर फेस–2, सेक्टर 63, 57, 58, 62 और ईकोटेक थर्ड के क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों ने जमकर हंगामा किया। कई जगह सड़कों पर जाम लगाया गया और पुलिस के साथ भी टकराव की स्थिति बनी। सेक्टर 63 में तो हालात इतने बिगड़ गए कि थाने पर भी पथराव किया गया। इसके अलावा कई इंडस्ट्रियल एरिया में कंपनियों के बाहर खड़ी गाड़ियों और संपत्तियों को निशाना बनाया गया। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया। बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई और संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी रखी गई। अब तक 90 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है, जबकि 300 लोगों की पहचान की जा रही है। साथ ही सरकार ने श्रमिकों की कुछ मांगों को मानते हुए न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी का फैसला भी लिया है, ताकि स्थिति को सामान्य किया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि बातचीत के जरिए ही स्थायी समाधान निकाला जाएगा और किसी भी तरह की हिंसा से सिर्फ नुकसान ही होता है।

सरकार और प्रशासन की अपील

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन लगातार श्रमिकों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है। साथ ही आज ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में श्रमिकों को बातचीत के लिए बुलाया गया है, ताकि स्थायी समाधान निकाला जाए और किसी भी तरह की हिंसा को रोका जा सके। नोएडा में हुआ यह उग्र प्रदर्शन न सिर्फ कानून–व्यवस्था के लिए चुनौती बना, बल्कि इसने औद्योगिक ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। 150 से ज्यादा वाहनों और 300 से अधिक फैक्ट्रियों को नुकसान पहुंचना इस बात का संकेत है कि स्थिति कितनी गंभीर थी।

शॉर्ट स्टोरी

BPSC परीक्षा के लिए समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर-दरभंगा से चलेंगी स्पेशल ट्रेनें, देखें टाइमिंग

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी (AEDO) लिखित परीक्षा देने जा रहे हजारों छात्रों के लिए अच्छी खबर है। समस्तीपुर रेल मंडल ने परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें परीक्षा केंद्रों तक समय पर पहुंचने में मदद करेंगी। समस्तीपुर मंडल के सूचना पदाधिकारी आरके सिंह ने बताया कि BPSC की AEDO परीक्षा 14 अप्रैल 2026 से 21 अप्रैल 2026 तक चलेगी। परीक्षा 14, 15, 17, 18, 20 और 21 अप्रैल को दो पालियों में आयोजित होगी। जिसे देखते हुए मंडल ने खास इंतजाम किए हैं। मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर एवं बेतिया स्टेशन से हाजीपुर/पाटलिपुत्र के लिए स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। रेलवे के मुताबिक, 15, 18 और 21 अप्रैल 2026 के इन स्पेशल ट्रेनों को चलाया जाएगा। परीक्षार्थियों के लिए इन सभी स्पेशल ट्रेनों को इस तरह चलाया जाएगा कि वे दोपहर 12:30 बजे तक स्टेशन पहुंच जाएं और 13:00 बजे तक रवाना हो सकें। इससे परीक्षार्थी आराम से परीक्षा केंद्र पहुंच सकेंगे। इसके अलावा, जयनगर–आरा इंटरसिटी एक्सप्रेस (13225) के समय में भी बदलाव किया गया है। अब यह ट्रेन मधुबनी स्टेशन पर लगभग 12:30 बजे पहुंचेगी और ट्रेन को 15–20 मिनट का अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र इस ट्रेन का फायदा ले सकें।

किराए के कमरे में इंजीनियरिंग छात्रा की लाश, दूसरे किराएदार से हुआ था विवाद

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार में पटना के बिहटा स्थित राघोपुर में किराए के मकान में रह रही एक इंजीनियरिंग की छात्रा का शव संदिग्ध परीस्थिति में मिला। सूचना के बाद पुलिस और FSL टीम मौके पर पहुंची। मृतक छात्र की पहचान बिहार के औरंगाबाद जिला के ओबरा प्रखंड निवासी अशोक सिंह की 23 साल की बेटी अनुपमा कुमारी के रूप में हुई है। जो पिछले 3 सालों से बिहटा में किराए के मकान में अकेले रहा करती थी। और आज उसका कमरे के अंदर शव मिला है। इधर पुलिस ने घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। जानकारी के बाद परिवार में मातम छा गया। मकान मालिक रामअयोध्या सिंह ने बताया कि मृतक छात्रा अनुपमा कुमारी बिहटा के एक निजी कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी। उसका काफी अच्छा स्वभाव भी था। सोमवार शाम को मुझे फोन के जरिए जानकारी मिली कि उसके कमरे का ताला बाहर से बंद है और अंदर लाइट और पंखा चल रहा है । काफी फोन करने के बाद भी वो फोन नहीं उठा रही थी जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घर के कमरे के ताला को तोड़ा और अंदर गई तो छात्रा मृत अवस्था में थी। घटना को लेकर मृतक छात्र की बड़ी बहन आकांक्षा कुमारी ने बताया कि कल सुबह 10:30 बजे मेरी छोटी बहन अनुपमा कुमारी से बात हुई थी। वो अच्छे से बात कर रही थी, लेकिन आज शाम को पुलिस के द्वारा जानकारी मिली कि उसका कमरा बाहर से बंद है और फोन नहीं उठा रही है। आज उसने बताया था कि वह गांव जाने वाली है लेकिन जब जानकारी मिली तब हम सभी लोग मौके पर पहुंचे। देखा कि उसकी हत्या हुई है। मेरी बहन हमेशा बताती थी कि घर में अन्य किरदार से कुछ बात को लेकर विवाद हुआ था। मुझे शक है कि इन्हीं लोगों के द्वारा मेरी बहन की हत्या की गई और दरवाजा को बाहर से बंद कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज जांच मे जुट गई है। मामले मे सब इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार ने बताया कि फोन पर सूचना मिली थी कि कमरे के अंदर एक छात्रा का शव पड़ा है। मृत छात्रा औरंगाबाद की रहने वाली बताई जा रही है और वह बिहटा के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में पॉलिटेक्निक की छात्रा थी। आगे जांच की जा रही है।

अब नई सरकार काम देखेगी, बिहार आगे बढ़ेगा, इस्तीफे के बाद बोले नीतीश

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नीतीश ने मंगलवार को राज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया। इसके बाद उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स से एक भावुक पोस्ट लिखते हुए कहा, अब नई सरकार यहां से काम देखेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन रहेगा। आगे भी बहुत अच्छा काम होगा और बिहार बहुत आगे बढ़ेगा। नीतीश कुमार करीब 20 साल तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे। इस दौरान नीतीश राज में कई विकास की परियोजनाएं परवान चढ़ी। मंगलवार को नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद एक तरह से बिहार से नीतीश युग समाप्त हो गया। अब बिहार को 20 साल बाद एक नया मुख्यमंत्री मिलेगा। मंगलवार को नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफे के बाद एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, आप जानते हैं कि 24 नवंबर, 2005 को राज्य में पहली बार एनडीए सरकार बनी थी। तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार विकास के काम में लगे हुए हैं। नीतीश ने आगे लिखा, सरकार ने शुरू से ही सभी तबकों का विकास किया है चाहे हिंदू हो, मुस्लिम हो, अपर कास्ट हो, पिछड़ा हो, अति पिछड़ा हो, दलित हो, महादलित हो– सभी के लिए काम किया गया है। हर क्षेत्र में काम हुआ है चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो, कृषि हो। महिलाओं एवं युवाओं के लिए भी बहुत काम किया गया है। इन दिनों काम को और आगे बढ़ाया गया है। अगले पांच वर्षों यानि 2025 से 2030 के लिए 7 निश्चय–3 का गठन किया गया है। इससे और ज्यादा काम होगा जिससे बिहार काफी आगे बढ़ेगा। नीतीश ने आगे कहा, बिहार के विकास में केन्द्र का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नमन करते हैं। बिहार और तेजी से विकसित होगा और देश के टॉप राज्यों में शामिल हो जाएगा और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सोलर एनर्जी में भारत बनेगा नया सुल्तान!

चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा मार्केट बनने का अनुमान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत सालाना सोलर एनर्जी क्षमता स्थापित करने के मामले में 2026 तक विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सोलर एनर्जी मार्केट बनने की राह पर है। नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएसईएफआई) ने अपने बयान में कहा कि भारत ने मात्र 14 महीनों में 50 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता जोड़कर अब तक की सबसे तेज वृद्धि हासिल की है और 150 गीगावाट का महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल कर लिया है। यह तेज वृद्धि है। पहले 50 गीगावाट तक पहुंचने में 11 साल लगे थे। उसके बाद 100 गीगावाट तक पहुंचने में लगभग तीन साल लगे हैं।

बनेगा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मार्केट

वैश्विक परिदृश्यों में बदलाव के बीच, एनएसईएफआई का अनुमान है कि भारत वार्षिक क्षमता स्थापित किये जाने के मामले में 2026 तक दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा बाजार बनने की राह पर है। एनएसईएफआई ने कहा कि वैश्विक रुझान अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों में क्षमता वृद्धि में संभावित नरमी का संकेत दे रहे हैं, जो वर्तमान में वार्षिक स्थापित क्षमता के मामले में दूसरे स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। पुलिपाका ने कहा कि इसके उलट, भारत नवीकरणीय ऊर्जा के विकास में लगातार तेजी ला रहा है और प्रमुख लक्ष्यों को लगातार पार कर रहा है। इसके साथ आने वाले वर्ष में वार्षिक क्षमता स्थापित किये जाने के के मामले में दूसरे सबसे बड़े देश के रूप में उभरने के लिए तैयार है। एनएसईएफआई ने कहा कि वितरित नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) और वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सी एंड आई) स्तर पर सौर ऊर्जा को अपनाना अगले तीन वर्षों में वृद्धि के को गति देने वाले प्रमुख तत्व होंगे।

300 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान

एनएसईएफआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुब्रह्मण्यम पुलिपाका ने कहा कि भारत के 2030 तक 500 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सौर ऊर्जा 280 से 300 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। वर्तमान गति के साथ, भारत 50 गीगावाट की वार्षिक वृद्धि के लक्ष्य के करीब पहुंच रहा है, जो इस लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। पुलिपाका ने कहा वास्तव में, पीएम सूर्य घर जैसी पहल, आगामी पीएम कुसुम 2 I0, फ्लोटिंग सौर संयंत्र के लिए अलग से नीति और राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन से जुड़ी बढ़ती मांग के कारण, देश में सौर ऊर्जा क्षमता इन अनुमानों से कहीं अधिक बढ़ने की काफी संभावना है।

यूएई का कर्ज चुकाने के लिए पाकिस्तान को क्यों मिल रहा सऊदी-कतर का पैसा?

पांच अरब डॉलर की मदद का खेल!

हिंदमाता नेटवर्क @इस्लामाबाद

मिडिल ईस्ट की जंग के बीच एक दिलचस्प खेल चल रहा है। सऊदी अरब और कतर ने पाकिस्तान को लगभग 5 अरब डॉलर (करीब 46,500 करोड़ रुपये) की आर्थिक मदद देने का भरोसा दिया है। लेकिन सवाल यह है कि यह पैसा दिया क्यों जा रहा है। खासकर तब, जब यूएई ने पाकिस्तान से अपना कर्ज वापस मांग लिया है? इसे समझने के लिए चार बड़े पहलुओं को जानना जरूरी है।

यूएई और सऊदी के बीच असली दुश्मनी

खाड़ी में बहुत पहले से सऊदी अरब और यूएई के बीच कॉम्पिटिशन चल रहा है। इधर, पाकिस्तान यूएई के प्रतिद्वंद्वी सऊदी अरब के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है, जो यूएई को रास नहीं आ रहा। यूएई और सऊदी अरब यमन और हॉर्न ऑफ अफ्रीका में अपनी पकड़ मजबूत करने की होड़ में हैं। सऊदी अरब ने यमन में यूएई समर्थित समूह सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (STC) पर हमले कर चुका है, जिससे UAE को सोमालिया के अपने बेस से पीछे हटना पड़ा। पाकिस्तान ने यूएई के बजाय सऊदी से डिफेंस समझौता किया, जो उसे रास नहीं आया।

पाकिस्तान ने सऊदी में भेजे 13,000 सैनिक

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पिछले साल हुए रणनीतिक रक्षा समझौते के तहत पाकिस्तान ने करीब 13,000 सैनिकों और 10 से 18 लड़ाकू विमान सऊदी अरब भेजा है। यह तैनाती किंग अब्दुलअजीज एयर बेस पर की गई है। एक अधिकारी के मुताबिक, ईरान के हमलों के बीच पाकिस्तान ने सऊदी अरब को मिसाइल डिफेंस सिस्टम भी दिया है। इसके बदले में सऊदी अरब ने 2018 में दिया गया 6 अरब डॉलर का पुराना कर्ज अभी वापस न मांगने का फैसला लिया है।

इस्लामाबाद में शांति वार्ता

ईरान-अमेरिका सीजफायर के लिए जो इस्लामाबाद में शांति वार्ता हुई। उसमें पाकिस्तान एकमात्र कम्युनिकेशन चैनल था। सऊदी और कतर चाहते हैं कि यह जंग जल्द खत्म हो। होर्मुज खुले, ऊर्जा सप्लाई बहाल हो और क्षेत्र में इजराइल के साथ संबंध सामान्य हों। ट्रंप पहले ही इशारा कर चुके हैं कि जंग खत्म होने के बाद सऊदी-इजराइल संबंध सामान्य करने का वक्त आ गया है। इस पूरे कूटनीतिक खेल में पाकिस्तान की भूमिका बिचौलिए की है। इसी भूमिका की कीमत इस्लामाबाद वसूल रहा है।

यमन और सूडान में प्रॉक्सी वॉर

यमन और सूडान में चल रहे प्रॉक्सी वॉर का असर अब पाकिस्तान पर भी साफ दिखाई दे रहा है। साल 2015 के बाद से पाकिस्तान की सेना यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले अभियानों में किसी न किसी रूप में जुड़ी रही है, लेकिन हाल ही में सऊदी-पाकिस्तान रक्षा समझौते के बाद सैनिकों की यह तैनाती पहले से कहीं ज्यादा बड़ी और अहम मानी जा रही है। इससे संकेत मिलता है कि पाकिस्तान अब खुलकर सऊदी अरब के साथ खड़ा हो रहा है।

बिजनेस वर्ल्ड

दुनिया में ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक रह सकती हैं ऊंची: आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ, विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी या आईईए ने चेतावनी दी है कि मध्य पूर्व में जारी युद्ध और वहां बनी अनिश्चितता के कारण ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती हैं। तीनों संस्थानों के प्रमुखों की एक समन्वय समूह के तहत बैठक हुई, जिसका गठन इसी महीने की शुरुआत में मध्य पूर्व संघर्ष के ऊर्जा और आर्थिक प्रभावों पर संयुक्त प्रतिक्रिया देने के लिए किया गया था। पीटीआई की खबर के मुताबिक, संयुक्त बयान में कहा गया कि इस युद्ध का प्रभाव व्यापक, वैश्विक और असमान है, जो विशेष रूप से ऊर्जा आयात करने वाले देशों और कम आय वाले देशों को अधिक प्रभावित कर रहा है। युद्ध के कारण लाखों लोग विस्थापित हुए हैं, रोजगार प्रभावित हुआ है और यात्रा एवं पर्यटन क्षेत्र में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिसे सामान्य होने में समय लग सकता है। बयान में यह भी कहा गया कि इस संकट के चलते कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और उर्वरक की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है, जिससे वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा और रोजगार को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। वहीं, मध्य पूर्व के कुछ तेल और गैस उत्पादक देशों को निर्यात राजस्व में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। तीनों संस्थानों ने स्पष्ट किया कि मध्य पूर्व की स्थिति अभी भी बेहद अनिश्चित बनी हुई है और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) से शिपिंग पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि भले ही आपूर्ति फिर से शुरू हो जाए, लेकिन वैश्विक स्तर पर वस्तुओं की सप्लाई को पूर्व युद्ध स्तर तक पहुंचने में समय लगेगा। साथ ही, ढांचे को हुए नुकसान के कारण ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। आपूर्ति बाधित होने के कारण ऊर्जा, खाद्य और अन्य उद्योगों पर भी गंभीर असर पड़ने की आशंका जताई गई है। तीनों संस्थानों के प्रमुखों ने यह आकलन आईईए की मासिक ऑयल मार्केट रिपोर्ट और आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक जारी होने से पहले साझा किया। उन्होंने प्रभावित देशों की स्थिति और उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा भी की। बयान में कहा गया कि सभी संस्थान मिलकर देश-स्तरीय सहयोग बढ़ा रहे हैं ताकि विशेषज्ञता साझा कर नीति सलाह दी जा सके और आवश्यकता पड़ने पर वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जा सके। आखिर में, नेताओं ने कहा कि वे स्थिति पर लगातार नजर रखेंगे और वैश्विक ऊर्जा बाजार, अर्थव्यवस्था और अलग-अलग देशों पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन जारी रखेंगे, ताकि एक स्थिर, मजबूत और समावेशी आर्थिक सुधार की नींव रखी जा सके।

ऑटो कंपनियों को बनानी होंगी ज्यादा माइलेज वाली गाड़ियां, 1 अप्रैल से ही लागू होगा सीएएफर्इ 3 मानदंड

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारी उद्योग मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी हनीफ कुरैशी ने सोमवार को कहा कि अगले साल 1 अप्रैल से ऑटो मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों को फ्यूल एफिशिएंसी के कड़े नियमों का पालन करना होगा। इसका कारण कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (सीएएफर्इ 3) मानकों के कार्यान्वयन की समय सीमा बढ़ाए जाने की संभावना नहीं है। कुरैशी ने कहा कि 1 अप्रैल, 2027 के बाद कार्यान्वयन की समय सीमा बढ़ाने की जरूरत संभवत: नहीं होगी, क्योंकि सरकार सीएएफर्इ 3 मानदंडों पर ऑटो इंडस्ट्री से जुड़े पक्षों के संपर्क में है और नियमित रूप से उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त कर उन्हें पूरी जानकारी दे रही है। सीएएफर्इ 3 मानदंड 1 अप्रैल, 2027 से 31 मार्च, 2032 तक लागू किए जाने का प्रस्ताव है। नियमों को लेकर ऑटो मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। छोटे कार मैन्यूफैक्चरर वजन और किफायत के आधार पर कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता मानदंडों में छूट की मांग कर रहे हैं, जबकि बड़े मूल उपकरण विनिर्माता अलग-अलग व्यवहार का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे सुरक्षा सुविधाओं से समझौता होगा। मारुति सुजुकी और टोयोटा किर्लोस्कर जैसी कंपनियां छोटी कारों को छूट देने की वकालत कर रही हैं। वहीं, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, हुंडई और किआ जैसी कंपनियां इसका विरोध कर रही हैं। सीएएफर्इ 3 मानदंडों का उद्देश्य उपभोक्ताओं और पर्यावरण के हितों को सबसे ऊपर रखना है। इन नियमों के तहत, सरकार चाहती है कि ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां बनाएं, जो न सिर्फ ज्यादा माइलेज दें बल्कि प्रदूषण भी कम करें। नए मानदंडों के तहत, ऑटोमोबाइल कंपनियों को अपनी सभी गाड़ियों के लिए एक 'औसत माइलेज' और 'कार्बन उत्सर्जन' लेवल को कड़ाई के साथ मेंटेन करना होगा। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने सीएएफर्इ 3 के मसौदा मानदंडों पर विचार-विमर्श करने के लिए 16 अप्रैल को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में बिजली, भारी उद्योग और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग सहित विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों के शामिल होने की संभावना है।

इंडिया स्किल्स मंच पर टीकेएम प्रतिभागियों का शानदार प्रदर्शन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने मंगलवार को इंडिया स्किल्स नेशनल प्रतियोगिता 2026 में अपनी टीम के विजेताओं की घोषणा की। यह जीत कंपनी की स्किल एक्सीलेंस और युवा सशक्तिकरण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। TKM प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय स्तर पर सात स्किल कैटेगरी में कुल 5 गोल्ड, 3 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। भारत का प्रमुख व्यावसायिक उत्कृष्टता मंच, इंडिया स्किल्स 2025-26 ने देशभर से आए श्रेष्ठ प्रतिभाओं की भागीदारी देखी। प्रतिभागियों ने जिला, ज़ोनल, राज्य और क्षेत्रीय स्तरों से आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय स्तर तक अपनी जगह बनाई। इन सभी चरणों में टीकेएम का लगातार प्रदर्शन इसकी व्यवस्थित स्किल डेवलपमेंट रणनीति और ग्लोबल स्टैंडर्ड्स के अनुरूप भविष्य-तैयार वर्कफोर्स बनाने पर इसके फोकस को दर्शाता है। राष्ट्रीय स्तर पर टीकेएम के 14 टीम मेंबरों ने सात स्किल कैटेगरी में भाग लिया, जिनकी प्रतियोगिताएं दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई में आयोजित की गईं। विजेताओं में दीपु एम। एस। और जयंथ के ने मेकेट्रॉनिक्स में गोल्ड मेडल हासिल किया, जबकि गणेश पी। बी। और पुनिथ कुमार ने इसी कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। रोबोटिक सिस्टम इंटीग्रेशन में शशांक एस और अभिषेक एस एस ने गोल्ड मेडल जीता, वहीं चिराग जी और विनय एम एच ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में पवन बी एस ने गोल्ड और हर्षित के बी ने सिल्वर मेडल हासिल किया। इसके अलावा, ऑटो बॉडी रिपेयर में तेजस बी एस ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि मैकेनिकल इंजीनियरिंग सीएडी में पुनिथ पी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। वेल्डिंग कैटेगरी में प्रवीन वाई एच ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। ग्रामीण युवाओं को वर्ल्ड-क्लास टेक्नीशियन में बदलने के उद्देश्य से टीकेएम लगातार एडवांस ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस्ट्री-रेलेवेंट करिकुला और ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेज में निवेश कर रहा है। इंडिया स्किल्स और वर्ल्ड स्किल्स प्लेटफॉर्म पर टीकएम की सक्रिय भागीदारी इसकी दीर्घकालिक दृष्टि को दर्शाती है—ऐसा टैलेंट तैयार करना जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सके। इस उपलब्धि पर बोलते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर जी।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को हो रहा पेट्रोल पर 18 और डीज़ल पर 35 रुपए प्रति लीटर का नुकसान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें लंबे समय से स्थिर हैं, लेकिन इसके पीछे तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, सरकारी तेल कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 18 रुपये प्रति लीटर और डीज़ल पर 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो रहा है। पीटीआई की खबर के मुताबिक, कीमतों के नियंत्रण-मुक्त (डिरेगुलेशन) होने के बावजूद, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOCL), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने अप्रैल 2022 से खुदरा ईंधन कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इस दौरान वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया था, जो इस साल की शुरुआत में घटकर करीब 70 डॉलर रह गया। हालांकि, हालिया भू-राजनीतिक तनाव और मध्य पूर्व में हमलों के बाद कीमतें फिर बढ़कर लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, जब पिछले महीने कीमतें चरम पर थीं, तब इन कंपनियों को प्रतिदिन करीब 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। हालांकि, सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क (एक्साइज़ ड्यूटी) में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद यह नुकसान घटकर लगभग 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन रह गया है। यह राहत सीधे उपभोक्ताओं को देने के बजाय कंपनियों के नुकसान की भरपाई में इस्तेमाल की गई। विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च में हुए नुकसान ने जनवरी-फरवरी के मुनाफे को खत्म कर दिया है, और जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनियों को घाटा होने की आशंका है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी ग्रुप की रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल और डीज़ल की बिक्री पर नुकसान हो रहा है।

किम जोंग उन का क्या है नया प्लान?

होर्मुज पर तनाव के बीच नए मिसाइल टेस्ट का निरीक्षण किया

हिंदमाता नेटवर्क @ सियोल

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने रविवार को अपने बहुमूल्य नए युद्धपोत से मिसाइल परीक्षणों का निरीक्षण किया। राज्य मीडिया ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने परमाणु-सक्षम हथियारों के अपने बढ़ते संग्रह के साथ नौसेना की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने का संकल्प लिया है। उत्तर कोरिया के आधिकारिक समाचार पत्र रोडोंग सिनमुन ने बताया कि किम ने रविवार को अपने 5,000 टन श्रेणी के विध्वंसक पोत चोए ह्योन से दो रणनीतिक क्रूज मिसाइलों और तीन जहाज-रोधी मिसाइलों के प्रक्षेपण का अवलोकन किया, जिसका अनावरण अप्रैल 2025 में किया गया था।समाचार पत्र के अनुसार, क्रूज मिसाइलें दो घंटे से अधिक और जहाज-रोधी मिसाइलें 30 मिनट से अधिक समय तक पूर्व निर्धारित पथों पर देश के पश्चिमी समुद्रों के ऊपर उड़ान भरती रहीं और अपने लक्ष्यों पर सटीक प्रहार किया। एक अन्य सरकारी समाचार पत्र, कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने किम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की तस्वीरें प्रकाशित कीं, जिसमें वे मिसाइल को युद्धपोत से दूर जाते हुए देख रहे थे, जिसके पीछे से धूसर धुआं निकल रहा था।

किम जोंग ने बढ़ाई अपनी सैन्य ताकत

किम ने पिछले महीने चोए ह्योन से मिसाइल परीक्षणों के दो दौर का निरीक्षण भी किया था और अपनी नौसेना के परमाणु शस्त्रीकरण में तेजी लाने का संकल्प लिया था। रविवार के परीक्षणों के बाद, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपने परमाणु बलों के ₹असीमित विस्तार₹ पर केंद्रित है और देश की परमाणु हमले और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए कुछ नए कार्य सौंपे हैं। रोडोंग सिनमुन के अनुसार, उन्होंने वर्तमान में निर्माणाधीन अपने तीसरे और चौथे विध्वंसक जहाजों के लिए हथियार प्रणालियों की योजनाओं की भी समीक्षा की।

कितना ताकतवर है उत्तर कोरिया का युद्धपोत

किम ने चोए ह्योन के विकास को अपनी सेना की परिचालन पहुंच और पूर्वव्यापी हमले की क्षमताओं के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। सरकारी मीडिया का कहना है कि युद्धपोत को कई प्रणालियों को ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिनमें वायु-रोधी और जहाज-रोधी हथियार, साथ ही परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें शामिल हैं। वहीं, इस परीक्षण से बौखलाए दक्षिण कोरियाई अधिकारियों और विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते सैन्य संबंधों के बीच रूस की सहायता से इस पोत का निर्माण संभवत: हुआ है, लेकिन कुछ विशेषज्ञ इसकी सक्रिय सेवा के लिए तैयार होने पर सवाल उठा रहे हैं।

मध्य पूर्व में मौजूद है यूएस नेवी

यूएसएस अब्राहम लिंकन समेत 15 जहाज बढ़ा सकते हैं ईरान की परेशानी

हिंदमाता नेटवर्क @वॉशिंगटन

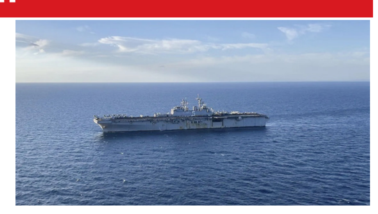

अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी नौसेना मध्य पूर्व क्षेत्र में कम से कम 15 जहाजों को तैनात रखे हुए है। इनमें विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और 11 विध्वंसक शामिल हैं। ये जहाज ईरान के बंदरगाहों को घेरने में मदद कर सकते हैं। अमेरिकी नौसेना के बेड़े में शामिल जहाजों के नाम हैं- यूएसएस बैनब्रिज, यूएसएस थॉमस हडनर, यूएसएस फ्रैंक ई। पीटरसन जूनियर, यूएसएस डेलबर्ट डी। ब्लैक, यूएसएस जॉन फिन, यूएसएस माइकल मर्फी, यूएसएस मिट्शर, यूएसएस पिंकनी, यूएसएस राफेल पेराल्टा, यूएसएस स्प्रुएन्स और यूएसएस मिलियस। इसके अलावा त्रिपोली एम्फीबियस रेडी ग्रुप भी क्षेत्र में है, जिसमें यूएसएस त्रिपोली, यूएसएस न्यू ऑरलियन्स और यूएसएस रशमोर शामिल हैं। कुछ सहायक जहाज भी हैं, लेकिन वे अभी पूरी तरह पहुंच नहीं पाए हैं।

ट्रंप ने दिया है नाकेबंदी का आदेश

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक ये जहाज बड़े इलाके में फैले हुए हैं, इसलिए यह अभी साफ नहीं है कि कौन से जहाज सीधे नाकेबंदी में लगाए जाएंगे। कुछ सहायक जहाजों को स्वेज नहर से या अफ्रीका का चक्कर लगाकर क्षेत्र में पहुंचना पड़ेगा। ट्रंप सरकार का कहना है कि अमेरिका अकेले भी इस दबाव को बनाए रखने में सक्षम है। यह कदम पाकिस्तान में हुई लंबी बातचीत के बाद उठाया गया है। इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच 21 घंटे से ज्यादा की चर्चा हुई थी लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। बातचीत विफल होने के बाद ट्रंप ने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नाकेबंदी का आदेश दिया था।

'ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा'

ईरान पर आरोप है कि वह परमाणु हथियार बनाने की महत्वाकांक्षा नहीं छोड़ रहा है। ट्रंप ने साफ कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बातचीत में कई मुद्दों पर सहमति बनी लेकिन परमाणु कार्यक्रम पर ईरान नहीं माना। ट्रंप ने यह भी कहा है कि मुझे पूरा यकीन है कि वो अंत में मान जाएंगे और अगर ईरान नहीं माना तो कोई समझौता नहीं होगा।

ईरान के लिए हालात अच्छे नहीं होंगे: ट्रंप

अमेरिका ईरान के पास मौजूद एनरिच्ड यूरेनियम भी वापस लेना चाहता है। ट्रंप ने कहा है कि हम इसे वापस ले लेंगे, या तो वे देंगे या हम छीन लेंगे। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी पुष्टि की कि ईरान परमाणु हथियार छोड़ने का कोई वादा नहीं कर रहा है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह 2 हफ्ते का सीजफायर घोषित किया था लेकिन बातचीत नाकाम होने के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सीजफायर खत्म होने तक समझौता नहीं हुआ तो ईरान के लिए हालात अच्छे नहीं होंगे।

अमेरिका-ईरान में तनाव के बीच शी जिनपिंग का पहला बयान

देशों की संप्रभुता का हो सम्मान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान में जारी तनाव के बीच चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के देशों की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का पूरी तरह से सम्मान किया जाना चाहिए। जिनपिंग ने कहा कि सभी देशों के कर्मियों, सुविधाओं और संस्थानों की सुरक्षा को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चीन के राष्ट्रपति ने पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के लिए एक साझा, व्यापक और टिकाऊ सुरक्षा ढांचा बनाने की बात भी कही है। शी जिनपिंग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन के अधिकार को बनाए रखा जाना चाहिए ताकि दुनिया को जंगल के कानून (अराजकता) में वापस गिरने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि विकास और सुरक्षा के बीच तालमेल होना चाहिए। सभी पक्षों को पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के देशों के विकास को बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए काम करना चाहिए।

शी जिनपिंग ने पहली बार दिया बयान

यह पहली बार है जब शी जिनपिंग ने अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे मौजूदा संघर्ष पर टिप्पणी की है। इस संघर्ष ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएर्इ) सहित कई खाड़ी देशों को भी प्रभावित किया है। चीन के ईरान के साथ घनिष्ठ रणनीतिक संबंध हैं।

हिंदमाता एंकर गर्मी में सॉफ्ट ड्रिंक कैटेगरी में मुकाबला तेज, क्रिसिल रेटिंग्स के अनुसार, नए प्लेयर्स का मार्केट शेयर, जो 10 रुपए और 20 रुपए की बोतलों जैसे लोकप्रिय प्राइस पॉइंट्स के जरिए अचानक होने वाली खरीदारी को टारगेट कर रहे

सॉफ्ट ड्रिंक मार्केट में 'छोटे पैक' का बड़ा दांव! कोक-पेप्सी-कैंपा के बीच 10 रुपए वाली बोतलों की जंग शुरू

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

इस गर्मी में सॉफ्ट ड्रिंक कैटेगरी में मुकाबला तेज हो रहा है। क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, नए प्लेयर्स का मार्केट शेयर, जो 10 रुपए और 20 रुपए की बोतलों जैसे लोकप्रिय प्राइस पॉइंट्स के जरिए अचानक होने वाली खरीदारी को टारगेट कर रहे हैं, पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर अनुमानित 6-7 फीसदी हो गया है, जो वित्त वर्ष 2024 में 2 फीसदी था। बढ़ते मुकाबले को देखते हुए, यह उम्मीद की जा रही है कि पहले से मौजूद मल्टीनेशनल कंपनियां अपनी मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन पर खर्च बढ़ाएंगी, साथ ही अपनी प्रोडक्शन कैपेसिटी और डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर का भी विस्तार करेंगी। फूड और बेवरेज बनाने वाली कंपनी टीएबीपी के फाउंडर प्रभु गांधी कुमार ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि भारत में स्वाद बहुत हद तक रीजनल और कल्चरल होता है। जो चीज एक राज्य में सफल होती है, जरूरी नहीं कि वह दूसरे राज्य में भी सफल हो। एक देसी ब्रांड होने के नाते, हम उन बारीकियों को समझते हैं जिन्हें मल्टीनेशनल कंपनियां अक्सर बड़े पैमाने पर दोहराने में संघर्ष करती हैं। उन्होंने समझाया कि हमें प्रमुख रीजंस में जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है और हम अपना मार्केट शेयर बढ़ा रहे हैं। भारत जैसे डायवर्सिफाइड मार्केट में, लोकल होना हमारे लिए एक फायदा भी है और हमारी मुख्य रणनीति भी।

बढ़ सकती है कमाई

मंगलवार को जारी क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, भले ही पहले से मौजूद मल्टीनेशनल कंपनियों और नए प्लेयर्स के बीच मुकाबला तेज हो रहा हो, लेकिन सॉफ्ट ड्रिंक बॉटलर्स को इस वित्त वर्ष में अपनी कमाई में फिर से उछाल देखने की उम्मीद है। पिछले वित्त वर्ष की सुस्ती के बाद, इस बार कमाई अपने लंबे समय के औसत विकास दर 15 फीसदी तक पहुंच सकती है। इसकी मुख्य वजह है ज्यादा गर्मी। गर्मियों के महीनों में कुल बिक्री का 40 फीसदी हिस्सा आता है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी तेजी ने पैकेजिंग की कॉस्ट भी बढ़ा दी है। इसका असर इस उद्योग के मुनाफे पर नकारात्मक रूप से पड़ सकता है, जिससे मुनाफा 250 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) तक कम हो सकता है।

किनकी कमाई पर नहीं पड़ेगा असर

पूरे देश में मौजूदगी रखने वाले बॉटलर्स पर इसका असर कम पड़ेगा, क्योंकि उनके पास कीमतें तय करने की ज्यादा ताकत होती है और वे बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन करके कॉस्ट कम रख पाते हैं। इन कंपनियों का कैश फ्लो मजबूत बना रहेगा, जिससे उनकी क्रेडिट प्रोफाइल भी स्थिर रहेगी। क्रिसिल के ये निष्कर्ष नॉन-अल्कोहलिक बेवरेज उद्योग के 13 बॉटलर्स के विश्लेषण पर आधारित हैं। इस उद्योग में कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स (बाजार का 70 फीसदी), जूस (12 फीसदी) और पैकेज्ड पानी (18 फीसदी) शामिल हैं।

प्राइस हाइक की संभावना कम

क्रिसिल रेटिंग्स की एसोसिएट डायरेक्टर, रुचा नारकर ने आगे कहा कि बढ़ते कंप्टीशन, जिसके कारण कच्चे तेल से जुड़ी पैकेजिंग कॉस्ट (कुल कॉस्ट का 20-22 फीसदी) बढ़ने के बीच कीमतों में बदलाव की गुंजाइश कम हो गई है, इस वित्त वर्ष में मुनाफे में कुछ कमी ला सकती है। हालांकि, कीमतों में मामूली बढ़ोतरी और ज़ीरो-शुगर वैरायटी पर बढ़ता फोकस, कुल असर को 200-250 बेसिस प्वाइंट्स तक सीमित रख सकता है, जिससे मार्जिन 15-16 फीसदी पर स्वस्थ बना रहेगा। इसके अलावा, पूरे भारत में मौजूदगी रखने वाले बॉटलर्स से उम्मीद है कि वे थोक में कच्चा माल खरीदकर और ज्यादा मात्रा में माल उठाकर, सप्लायर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ कीमतों को लेकर बेहतर शर्तें तय कर पाएंगे, जिससे मुनाफे पर पड़ने वाले असर की कुछ हद तक भरपाई हो सकेगी।

■ दैनिक ठाणे, बुधवार 15 अप्रैल, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR

19 अप्रैल को रिलीज होगा हाई-एनर्जी गाना 'सुरा सुरा'

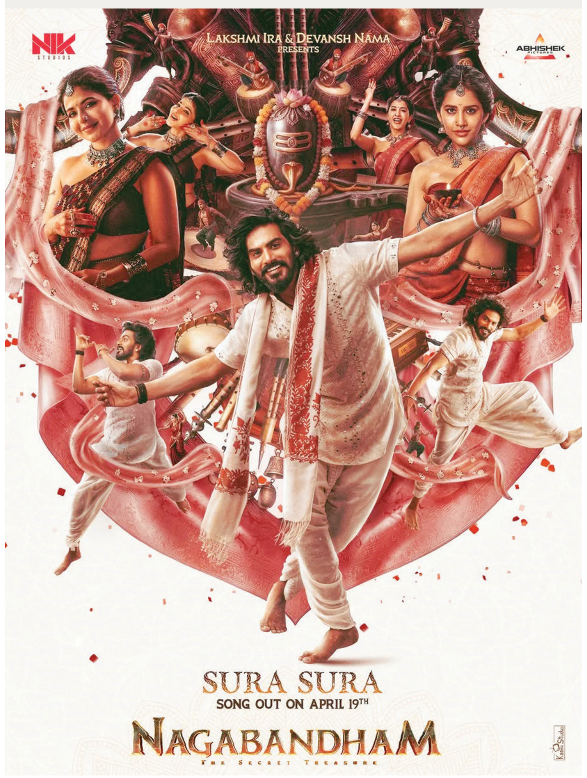

2026 की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक 'नागाबंधम', अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार सुर्खियां बटोर रही है। मेकर्स ने टीजर और पहले गाने 'नमो रे' के जरिए दर्शकों के बीच जो एक्साइटमेंट पैदा की थी, उसे अब एक नए अपडेट के साथ और बढ़ा दिया है। 'नमो रे' ने पहले ही इंटरनेट पर धूम मचा दी थी और अब अगला धमाका होने के लिए तैयार है।

■ मेकर्स ने एलान किया है कि फिल्म का दूसरा गाना 'सुरा सुरा' 19 अप्रैल को रिलीज होने वाला है। इस घोषणा के साथ एक बेहद कलरफुल पोस्टर भी शेयर किया गया है, जिसमें विराट कर्ण, नभा नतेश और ऐश्वर्या मेनन डांस के जबरदस्त पोज देते हुए जश्न के मूड में नजर आ रहे हैं। पोस्टर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह गाना काफी हाई-एनर्जी और ग्रूवी होने वाला है। कैप्शन में बताया गया है कि यह एक वेडिंग वाइब्स वाला फुट-टैपिंग नंबर होगा, जो दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर देगा।

■ पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, जब ढोल बजता है, तो पूरी धरती सुनती है। #NAGABANDHAM का दूसरा सिंगल - #SuraSura 19 अप्रैल को आ रहा है। कबीले के साथ जुड़ने और वेडिंग वाइब्स महसूस करने के लिए तैयार हो जाइए। 3 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में। हाल ही में रिलीज हुए टीजर ने एक रहस्यमयी और जादुई दुनिया की झलक दिखाई है, जो दर्शकों के लिए एक भव्य सिनेमाई अनुभव का संकेत देती है। यह फिल्म धार्मिक विषयों, बेहतरीन वीएफएक्स और दमदार बैकग्राउंड स्कोर का एक अनोखा मिश्रण है, जो कहानी की गहराई और किरदारों के प्रभावशाली पलों को और भी खास बनाता है।

■ भारतीय संस्कृति और इतिहास से जुड़ी यह फिल्म देश के गौरवशाली अतीत और पौराणिक कथाओं के उन अनछुए पहलुओं से प्रेरित है, जो इसे इस जॉनर की दूसरी फिल्मों से अलग खड़ा करते हैं। 'नागाबंधम' की कहानी, पटकथा और निर्देशन का जिम्मा अभिषेक नामा ने संभाला है। किशोर अन्नपुरेडी और निशिता नागिरेड्डी द्वारा निर्मित यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को पूरे भारत में रिलीज होने के लिए तैयार है।

4 जून को रिलीज होगी 'टॉक्सिक'

यश की फिल्म 'टॉक्सिक' का ट्रेलर अब तक शानदार प्रतिक्रिया प्राप्त कर चुका है, और फिल्म के रिलीज होने का इंतजार भी काफी बढ़ गया है। यह फिल्म 4 जून 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। यश के प्रशंसकों के लिए यह एक और बेहतरीन फिल्म साबित होने वाली है। फिल्म का विषय सस्पेंस और रोमांच से भरा हुआ है, जो दर्शकों को अंत तक बांधकर रखेगा। 'टॉक्सिक' में यश का किरदार एक ऐसे व्यक्ति का है, जिसे कई समस्याओं और खतरनाक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म की कहानी में ऐसे ट्विस्ट और टर्न्स हैं, जो दर्शकों को अंत तक चौंकाते रहेंगे। इसके अलावा, फिल्म का डायरेक्शन और सिनेमैटोग्राफी भी तारीफ के काबिल है।

फिल्म का विषय और कहानी

'टॉक्सिक' एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जो एक जटिल और खतरनाक स्थिति में फंस जाता है। यह फिल्म सस्पेंस, थ्रिलर और ड्रामा का बेहतरीन मिश्रण है। यश के किरदार का जीवन अचानक एक मोड़ पर आता है जब वह एक जहर के प्रभाव में आकर अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ता है। फिल्म में आपको रोमांच, उन्नति और संघर्ष की एक नई परिभाषा देखने को मिलेगी।

यश का दमदार अभिनय

यश ने इस फिल्म में अपने अभिनय का जादू बिखेरा है। उन्हें पर्दे पर देखकर ऐसा लगेगा जैसे वह किरदार में पूरी तरह से ढल गए हों। यश का यह नया रूप उनके फैंस के लिए एक सरप्राइज साबित होगा। उनकी भावनात्मक और शारीरिक दोनों तरह की एक्टिंग दर्शकों के दिलों को छूने वाली है।

फिल्म की रिलीज और दर्शकों से उम्मीदें

फिल्म 'टॉक्सिक' का ट्रेलर पहले ही इंटरनेट पर धमाल मचा चुका है और दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। अब, 4 जून को फिल्म का पर्दे पर आना एक बड़ा इवेंट होने जा रहा है। फिल्म का हर एक फ्रेम दर्शकों को चौंका देने वाला है, और यश के अभिनय के साथ फिल्म के सस्पेंस और ट्विस्ट्स भी दर्शकों को हैरान कर देंगे।

जान्हवी का ब्यूटीफुल लुक

बॉलीवुड की धड़क गर्ल जान्हवी कपूर न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि शानदार फैशन सेंस के लिए भी सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक लेटेस्ट फोटोशूट की झलक शेयर की, जिसने आते ही इंटरनेट पर हलचल मचा दी। सफेद रंग के इस लुक में उनका अंदाज बेहद खूबसूरत और आकर्षक नजर आ रहा है।

■ तस्वीरों में जान्हवी व्हाइट कलर के ब्लैकलेस आउटफिट में दिखाई दे रही हैं। उनका यह स्टाइलिश और एलीगेंट लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है। खास बात यह है कि उन्होंने इस ड्रेस को बेहद ग्रेस के साथ कैरी किया है, जबकि बैकलेस डिजाइन ने उनके पूरे लुक में ग्लैमर का तड़का लगा दिया है। जैसे ही ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं, वैसे ही वायरल हो गईं। फैंस के साथ-साथ कई सेलेब्रिटीज भी उनके इस नए अवतार की तारीफ करते नहीं थक रहे।

■ जाह्नवी का कॉन्फिडेंस और उनका फैशन सेंस हमेशा चर्चा में रहता है। वह अक्सर ट्रेडिशनल से लेकर वेस्टर्न आउटफिट्स तक में नए-नए एक्सपेरिमेंट करती नजर आती हैं इस बार भी उन्होंने एक सिंपल व्हाइट आउटफिट को ट्रेंडी और ग्लैमरस अंदाज में पेश कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अगर उनके वर्कफ्रंट की बात करें, तो जान्हवी कपूर हाल ही में फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं। इससे पहले वह 'मिस्टर एंड मिसेज माही' और 'उलझ' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी दिखा चुकी हैं।

'है जवानी तो इश्क होना है' टीजर रिलीज

वरुण धवन और डेविड धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का टीजर यानी फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म में वरुण के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगडे नजर आने वाली हैं। खास बात यह है कि इस टीजर में अक का दिलचस्प और क्रिएटिव इस्तेमाल देखने को मिला है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

■ टीजर सामने आते ही दर्शकों ने फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दी हैं। कई लोगों का मानना है कि यह फिल्म पुराने जमाने की कॉमेडी और एंटरटेनमेंट का अहसास कराएगी। वहीं कुछ यूजर्स ने बच्चों के सीन को काफी मजेदार बताया और कहा कि इतनी छोटी उम्र में ही उन्होंने बड़ा राज पकड़ लिया। कुल मिलाकर, फर्स्ट लुक ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर अच्छी-खासी उत्सुकता पैदा कर दी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि यह फिल्म रिलीज के बाद दर्शकों की उम्मीदों पर कितना खरा उतरती है।

■ करीब 1 मिनट 7 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत दो छोटे बच्चों से होती है, जो आपस में बातचीत करते नजर आते हैं। पहले वे अपनी-अपनी मां के नाम बताते हैं, लेकिन जैसे ही पिता का नाम सामने आता है, दोनों एक ही नाम बताते हैं। इसके बाद उन्हें यह भी पता चलता है कि उनका जन्मदिन भी एक ही है। यहीं से दोनों बच्चों को शक होता है कि कहीं उनके पिता एक ही व्यक्ति तो नहीं हैं। इस मजेदार ट्विस्ट के साथ टीजर में वरुण धवन की पूजा हेगडे और मृणाल ठाकुर के साथ रोमांटिक और फुल-ऑन मस्ती भरे सीन भी देखने को मिलते हैं। फिल्म का टोन हल्का-फुल्का, एंटरटेनिंग और मसाला से भरपूर नजर आ रहा है, जो डेविड धवन की फिल्मों की खास पहचान रही है।

संजू सैमसन बने मार्च के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

आईसीसी ने मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के नाम का एलान कर दिया है। भारत को टी-20 विश्वकप 2026 का खिताब दिलाने वाले संजू सैमसन को आईसीसी ने मार्च महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने थे। इसी वजह से उन्हें यह सम्मान मिला। वहीं, महिलाओं में न्यूजीलैंड की स्टार ऑलराउंडर अमेलिया कर को मार्च महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। उन्होंने इस साल मार्च में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था।

अवॉर्ड पाने की खुशी

आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल रहे सैमसन ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतना मेरे लिए बेहद खास है, खासकर क्योंकि यह मेरे क्रिकेट करियर के सबसे यादगार दौर में मिला है। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में योगदान देना एक सपना पूरा होने जैसा था और उस पल की अहमियत समझने में मुझे थोड़ा समय लगा।

करियर का पहला आईसीसी अवॉर्ड

उन्होंने आगे कहा कि यह भारतीय क्रिकेट के लिए रोमांचक समय है। टीम में काफी प्रतिभा है और मैं अपने साथियों और कोचिंग स्टाफ का आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने का मौका दिया। यह पहला मौका है जब संजू सैमसन को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड मिला है। उनका यह प्रदर्शन दिखाता है कि मौके मिलने पर वह कितने बड़े मैच विनर साबित हो सकते हैं।

लगातार बदले विजेता, इस बार चमके संजू

सैमसन के मार्च महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ बनने के साथ ही इस आईसीसी अवॉर्ड में पिछले पांच महीनों से हर बार अलग-अलग देशों के खिलाड़ी सम्मानित हो रहे हैं। इस लिस्ट में साइमन हार्मर (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया), डेरिल मिचेल (न्यूजीलैंड) और साहिबजादा फरहान (पाकिस्तान) जैसे नाम शामिल रहे हैं।

शुरूआती नजरअंदाज, फिर बने मैच विनर

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत में सैमसन भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा नहीं थे। लेकिन सुपर-8 के करो या मरो मुकाबलों में उन्हें मौका मिला और यहीं से उन्होंने कहानी बदल दी। 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ 24 रन से शुरुआत करने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

टी-20 विश्वकप में सैमसन का शानदार प्रदर्शन

- एक मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ सैमसन सिर्फ तीन रन से शतक से चूक गए, लेकिन उनकी नाबाद 97 रन की पारी ने भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। यह पारी उनके आत्मविश्वास और आक्रामक अंदाज का बड़ा उदाहरण बनी।
- मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में संजू ने 89 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने 253/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में इंग्लैंड की टीम सात रन से पीछे रह गई।
- अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मुकाबले में भी सैमसन का बल्ला गरजा। उन्होंने एक और 89 रन की शानदार पारी खेली और भारत को 96 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

आंकड़े जो बनाते हैं खास

मार्च 2026 में खेले गए तीन अहम टी-20 मैचों में संजू सैमसन ने 275 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 137.50 का और स्ट्राइक रेट 199.27 का रहा। उनका यह प्रदर्शन न सिर्फ शानदार था, बल्कि उन्हें लगातार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी दिलाया। साथ ही वह आईसीसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप-20 में भी जगह बनाने में सफल रहे।

हैदराबाद (सिंध) नेशनल कॉलेजिएट बोर्ड की पहल

अंतरराष्ट्रीय सिंधी भाषा दिवस पर सिंधी वर्सो कार्यक्रम का आयोजन

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अंतरराष्ट्रीय सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर 10 और 11 अप्रैल 2026 को एचएसएनसी बोर्ड के अंतर्गत चर्चगेट परिसर स्थित एच.आर. कॉलेज, के.सी. कॉलेज, बॉम्बे टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, के.सी. लॉ कॉलेज और के.एम.के. कुंदनानी फार्मेसी कॉलेज में संयुक्त रूप से 'सिंधी वर्सो' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एचएसएनसी बोर्ड के अंतर्गत आने वाले विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में शोध पत्र प्रस्तुति, फूड फेस्टिवल और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। इस आयोजन का नेतृत्व एचएसएनसी बोर्ड के ट्रस्टी किशु मनसुखानी ने किया, जबकि प्राचार्य डॉ. पूजा रामचंदानी, डॉ. तेजश्री शानभाग, भगवान बलानी, डॉ. कविता लालचंदानी और डॉ. रजनी अठावले के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता जैकी भगनानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन किया और बताया कि वे एच.आर. कॉलेज के पूर्व छात्र (एलुमनस) रहे हैं। कार्यक्रम में प्रसिद्ध सिंधी कलाकार मोहित शेवानी द्वारा 'जर्नी ऑफ सिंधीज' नामक लाइव म्यूजिकल शो प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष महेश सुखरामानी, डॉ. राम जव्हरानी, डॉ. बलदेव मटलानी, आशा चंद और सिंधी कलाकार देवेन हजारी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप